RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 310 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 10-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार के मुख्यमंत्री 'ओछी राजनीति' कर रहे हैं : तेजस्वी

6 भारत रूस संबंधों की अहमियत को पुतिन ने फिर समझा दिया

7 एकता कपूर : टैलेंट पहचानने से ट्रेंड बनाने तक, तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर राज

फर्स्ट टेक

नेपाल ने भारत से आम के आयात पर 'अंकुश' लगाए

काठमांडू/भाषा। नेपाल ने कथित रूप से अत्यधिक कीटनाशक पाए जाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में 'क्वारंटीन' सुविधाओं के अभाव का हवाला देते हुए भारत से किए जाने वाले आम के आयात पर अंकुश लगा दिया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस रोक के चलते नेपाल के स्थानीय बाजारों में घरेलू स्तर पर उत्पादित आम की उपलब्धता बढ़ गई है। गर्मी के मौसम में आम की मांग आमतौर पर काफी अधिक रहती है। अधिकारियों ने बताया कि सरकार ने ऐसे आमों के आयात पर अंकुश लगाया है जिनमें कीटनाशकों की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई और इसके साथ ही सीमावर्ती इलाकों में पर्याप्त 'क्वारंटीन' सुविधाओं की कमी भी इस फैसले का एक प्रमुख कारण है।

फिलीपीन में आए भूकंप में 37 लोगों की मौत, 32,000 लोग विस्थापित

जनरल सैंटोस (फिलीपीन)/एपी। दक्षिणी फिलीपीन में सोमवार को आए भूकंप में कम से कम 37 लोग मारे गए और 32,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए। हालांकि क्षतिग्रस्त इमारतों में फंसे लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान मंगलवार को भी जारी रहा और यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी व्यक्ति मलबे में फंसा न रहे। फिलीपीन में सोमवार सुबह 7.8 तीव्रता का भूकंप आया। दक्षिणी प्रांतों के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार केवल चार लोग लापता बताए गए थे लेकिन नागरिक सुरक्षा कार्यालय ने माना कि संभावित जीवित बचे लोगों या हताहतों की तलाश के लिए कई ढह चुकी और बुरी तरह क्षतिग्रस्त इमारतों का गहन निरीक्षण करने की जरूरत है। भूकंप का केंद्र फिलीपीन के दूसरे सबसे अधिक आबादी वाले द्वीप मिंडानाओ के पास था। इस भूकंप से लगभग 500 लोग घायल हुए और 32,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए जिनमें से अधिकतर ने आपातकालीन आश्रयस्थलों में शरण ली।

कांगो में इबोला के 550 मामलों में से 101 मरीजों की मौत

बुनिया/एपी। पूर्वी कांगो में इबोला का प्रकोप घोषित होने के एक महीने से भी कम समय में इसके संक्रमण से मृतकों की संख्या बढ़कर 100 से अधिक हो गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अब तक इबोला वायरस के संक्रमण के कुल 550 मामलों की पुष्टि हुई है। इनमें से 101 लोगों की मौत हो गई और 19 मरीजों के ठीक होने की पुष्टि की गई है। यह प्रकोप मुख्य रूप से कांगो के पूर्वी प्रांत इटुरी में केंद्रित है, जहां कुल मामलों के 90 प्रतिशत से अधिक दर्ज किए गए हैं।

देश के प्रति निष्ठा नहीं रखने वालों के लिए भारत 'धर्मशाला' नहीं : योगी आदित्यनाथ

■ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'लव जिहाद', धर्मांतरण की साजिशों और 'लैंड जिहाद' को लेकर चेतावनी दी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि जिनके मन में देश के प्रति आस्था व निष्ठा नहीं है और जो यहां के संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, उनके लिए भारत की धरती 'धर्मशाला' नहीं हो सकती।

मुख्यमंत्री ने 'लव जिहाद', धर्मांतरण की साजिशों और 'लैंड जिहाद' को लेकर चेतावनी दी।

योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान राम के आदर्श उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश को एकजुट करते हैं। इस श्री राम कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। उन्होंने कहा, ''तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है।''

योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों ने श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को जन्म-मरण का प्रश्न बनाया था। संत इसका श्रेय नहीं चाहते थे, वे सिर्फ इसलिए अभियान से जुड़े क्योंकि भारतीय परंपरा, विरासत में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम सभी के आदर्श हैं और राम नाम में जीवन की हर समस्या का समाधान है। उन्होंने कहा, ''राजनीति व पूर्वाग्रह से ग्रसित कुछ चुनिंदा नामों को छोड़ दें तो हर भारतवासी, जिसके अंदर भारत का डीएनए है, उसने भगवान राम के आदर्शों को जीवन का हिस्सा बनाया है। मर्यादा पुरुषोत्तम का नाम उत्तर से दक्षिण व पूरब से पश्चिम तक हर भारतीय को जोड़ने का सामर्थ्य रखता है।''

ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0:

398 करोड़ के साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क का भंडाफोड़, 14 गिरफ्तार

पाटन/भाषा। गुजरात के पाटन जिले से पुलिस ने ऑपरेशन म्यूल हंट 2.0 के तहत 14 लोगों को गिरफ्तार करते हुए एक साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसमें 228 अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी शिकायतों से जुड़े 13 म्यूल खातों के माध्यम से 398.43 करोड़ रुपए के अवैध लेनदेन शामिल थे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। 'म्यूल' बैंक खाते ऐसे खाते होते हैं, जिनका इस्तेमाल अपराधी खाताधारकों की जानकारी के बिना या कभी-कभी उसकी मिलीभगत से अवैध धन लेन-देन या धनशोधन के लिए करते हैं।

विशेष पुलिस इकाई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को महिलाओं की सुरक्षा को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से गठित विशेष पुलिस इकाई 'सिंगाप्पेन' के उद्घाटन समारोह के दौरान मंगलवार, को चेन्नई में राज्य के डीजीपी महेश कुमार अग्रवाल (दाएं) स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

पहले काम का अधिकार छीना, अब निवाला भी छीन रही है मोदी सरकार : मल्लिकार्जुन खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना और अब रोटी का निवाला भी छीन रही है।

सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के 12 सालों में ग़रीबी घटाने के अभियान की वास्तविकता है कि पहले ग़रीब से मनरेगा के तहत काम का अधिकार छीना, अब रोटी का निवाला भी छीना जा रहा है।

उन्होंने कहा कि 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया था कि उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को लकड़ी के चूल्हे के धुएं से मुक्ति मिलेगी तथा साल में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देने का वादा किया गया था, लेकिन पिछले साल इसे 12 से घटाकर 9 और अब 4 कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया

मोदी सरकार ने महिलाओं को जहरीले धुएं की तरफ धकेला

■ उज्ज्वला योजना में सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या 9 से घटाकर चार कर दी गई। उस पर पिछले 3 महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 89 रुपए बढ़ा दिए गए, मतलब, पहले दाम बढ़ाओ, फिर सब्सिडी घटाओ, गरीबों का चूल्हा बुझाओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने उज्ज्वजा योजना के तहत सब्सिडी वाले एलपीजी सिलेंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार किए जाने को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपनी आर्थिक नीतियों से लाखों गरीब परिवरों एवं महिलाओं को लकड़ी के जहरीले धुएं की तरफ धकेल दिया है। उन्होंने दावा किया कि अरबपति मित्रों को लाखों करोड़ों की कर्ज़माफ़ी दिलाना और गरीबों को अपनी नाकामियों का बिल थमाना, ये ''लूट का मोदी मॉडल'' है।

सरकार ने हाल में उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले रसोई गैस सिलेंडर की वार्षिक सीमा नौ से घटाकर चार कर दी है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सोमवार को कहा कि यह बदलाव औसत घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। वर्ष 2016 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहले लाभार्थियों को साल में 14.2 किलोग्राम के 12 सिलेंडर सब्सिडी पर मिलते थे। हालांकि, पिछले साल सब्सिडी वाले सिलेंडर की संख्या घटाकर नौ कर गई थी, जिसे अब और भी घटाकर चार कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''12 वर्षों की गरीब-विरोधी आर्थिक नीतियों और कम्प्रोमाइज्ड विदेश नीति ने आज देश को ऐसे हालात में ला खड़ा कर दिया है जहां लाखों गरीब परिवारों और महिलाओं को लकड़ी के ज़हरीले धुएं की तरफ धकेल दिया गया है।''

ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत पर हमला

भारतीय चालक दल के 24 सदस्य बचाए गए : आईसीजी

नई दिल्ली/भाषा। ओमान के तट के पास पलाऊ के ध्वज वाले एक वाणिज्यिक टैंकर पर हुए ''मिसाइल हमले'' के बाद ओमान के अधिकारियों के समन्वय से पोत पर मौजूद भारतीय चालक दल के 24 सदस्यों को बचा लिया गया। भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आईसीजी ने एक बयान में कहा कि उसके मुंबई स्थित समुद्री बचाव समन्वय केंद्र (एमआरसीसी) को आठ जून को ओमान के मसिराह तट के पास लंगर डाले टैंकर 'एमटी मारिवेक्स' पर मिसाइल हमले की सूचना मिली। आईसीजी ने बताया कि पोत पर 24 भारतीय नागरिक सवार थे। यह सूचना एमआरसीसी को पोत पर सवार चालक दल के एक सदस्य के रिश्तेदार ने दी थी। बयान में कहा गया है कि सूचना मिलते ही एमआरसीसी ने मिसाइल हमले के बाद भारतीयों के सफल बचाव के लिए ओमान के अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया।

पीओके में हुई जानलेवा हिंसा पर

पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराए वैश्विक समुदाय : भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में लोगों के साथ की गई बर्बरता के लिए भारत ने मंगलवार को इस्लामाबाद की कड़ी आलोचना की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से उसे उसके अत्याचारों के लिए जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया।

पीओके के कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई में कथित तौर पर 20 से ज़्यादा लोगों की मौत के बाद भारत की प्रतिक्रिया आई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि इस्लामाबाद ने अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन से ध्यान भटकाने की हताशा भरी कोशिशें की हैं। उन्होंने कहा, इस संदर्भ में, हम पाकिस्तान से आने वाली फेक न्यूज और वीडियो का एक चलन लगातार देख रहे हैं। यह पाकिस्तान की अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकारों के उल्लंघन से ध्यान भटकाने की एक हताशा भरी कोशिश है।

जायसवाल ने कहा, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस की भारी बर्बरता की खबरें हैं, जिसमें कई प्रदर्शनकारी मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। हमें उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान को उसके गलत कामों और ज्यादतियों के लिए जवाबदेह ठहराएगा।

वह प्रेस वार्ता में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे।

भारत की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के मानवाधिकार निकाय के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उसने पीओके में हिंसक झड़पों के दौरान जारी हिंसा पर गहरी चिंता जताई है।

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने तथाकथित क्षेत्रीय सरकार के उस फ़ैसले पर भी गंभीर चिंता जताई है, जिसके तहत आतंकवाद-रोधी क़ानून के तहत 'ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) पर प्रतिबंध लगाया गया है।

10-06-2026 सूर्यास्त 6:45 बजे | 11-06-2026 सूर्योदय 5:53 बजे

BSE 73,918.76 (+394.50) | NSE 23,242.10 (+119.10)

सोना 15,771 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 243,560 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बयानबाज नेता

जिस भी दल का हूं मैं प्रहरी,
वो निशान देता हूं।
तीर सदा अपने ही रख कर,
तब कमान देता हूं।
वापिस भी ले सकता हूं फिर,
जो बयान देता हूं।
मैं नेता हूं जो वादों की,
बस जुबान देता हूं।।

हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पण

जन्म 08.02.1945 — स्वर्गवास 07.06.2026

स्व. श्री नन्दकिशोर जी मालू

संस्थापक अध्यक्ष

माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड, बेंगलूरु

हमारे संस्थापक अध्यक्ष श्री नंदकिशोर जी मालू
हमारे मार्गदर्शक, स्तंभ ही नहीं अपितु सोसाइटी के जनक भी थे,
उनकी दूरदृष्टि व पेशेवर सोच के कारण ही माहेश्वरी को-ऑपरेटिव सोसाइटी
का गठन हुआ और आज सोसाइटी एक आर्थिक वटवृक्ष के रूप में
तैयार होकर समाज को नया व सशक्त आकार दे रही है।
हमारे संस्थापक अध्यक्ष के देवलोकगमन ने हमें गहरा आघात पहुंचाया है,
इस दुख की घड़ी में हम समस्त मालू परिवार के साथ है और परम पिता परमेश्वर
से कामना करते है कि मालू परिवार को यह असहनीय दुख सहन करने की
शक्ति प्रदान करें। हम सभी दिवंगत आत्मा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

Fondly remembered by all the Directors and Staff of
MAHESHWARI SOUHARDA CREDIT CO -OPERATIVE SOCIETY LTD.
Mysore Road, Sirsi Circle, Bangalore

जोजिला सुरंग : आज का दिन भारत के अवसंरचना इतिहास में स्वर्णिम दिन : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिनीमर्ग (लद्दाख)/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को जोजिला सुरंग के निर्माण में मिली सफलता को देश के अवसंरचना इतिहास का स्वर्णिम दिन बताया और कहा कि यह परियोजना जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के लोगों के लिए जीवन रेखा साबित होगी। गडकरी ने सुरंग के निर्माण में मिली सफलता के बाद कहा, आज भारत के अवसंरचना इतिहास का स्वर्णिम दिन है। मुझे खुशी है कि 14 किलोमीटर लंबी, अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित, विश्व की सबसे लंबी सुरंग जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए जीवन रेखा बनेगी। उन्होंने कहा कि जोजिला सुरंग परियोजना फरवरी 2028 तक पूरा हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के लिए एक अनमोल तोहफा है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने परियोजना के इंजीनियरों और श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने कड़ाके की ठंड व कठिन परिस्थितियों में काम किया है। उन्होंने कहा, इससे हर मौसम में आवागमन संभव हो सकेगा। सुरंग में सभी सुरक्षा सुविधाएं मौजूद हैं और इस परियोजना से स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है। गडकरी ने बताया कि कुल लागत लगभग 7,000 करोड़ रुपए होने से 5,000 करोड़ रुपए की बचत हुई है, जो अनुमानित लागत 12,000 करोड़ रुपए से कम है।

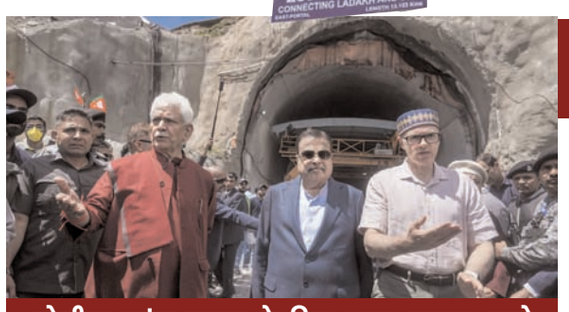

जोजीला सुरंग लद्दाख के लिए अहम बदलाव लाने वाली साबित होगी : उपराज्यपाल सक्सेना

लेह/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जोजीला सुरंग में मिली ऐतिहासिक सफलता को केंद्र-शासित प्रदेश के लिए अहम बदलाव लाने वाली उपलब्धि करार दिया। यह सुरंग संपर्क में सुधार करेगी और क्षेत्र के विकास को रफ्तार देगी। सक्सेना ने जोजीला सुरंग को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना बताया। उन्होंने कहा कि यह सुरंग लद्दाख और भारत के बाकी हिस्सों के बीच सालभर संपर्क प्रदान करेगी तथा सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार लाएगी।

उमर ने जोजिला सुरंग की उपलब्धि का स्वागत किया, गडकरी से विमान सेवा की अपील की

मिनिमर्ग (लद्दाख)/भाषा। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से अपील की कि वह कारगिल के लिए सीधी हवाई सेवा शुरू कराने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करें।

यहां जोजिला सुरंग का निर्माण पूरा होने से संबंधित समारोह में अब्दुल्ला ने कहा, ''मैं लद्दाख के लोगों को बधाई देता हूं और इस उपलब्धि के लिए गडकरी और मंत्रालय में उनके अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं, जो हमें हर मौसम में संपर्क के सपने के करीब ले जाएगी।'' लद्दाख के लोगों का एक सपना पूरा होने के करीब है, लेकिन दूसरा सपना-कारगिल के लिए सीधी और नियमित हवाई सेवा-अभी साकार होना बाकी है। उन्होंने कहा, एक और सपना साकार होना बाकी है, यानी कारगिल के लिए नियमित और सीधी हवाई सेवा। मैंने कोशिश की थी, लेकिन सफलता नहीं मिली। यह कारगिल के लोगों की पुरानी मांग है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री गडकरी से अपील करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, आप ऊर्जावान व कर्मठ व्यक्ति हैं। इसलिए मैं निवेदन करता हूं कृपया इस आकांक्षा को साकार करने में भी अपना प्रभाव इस्तेमाल कीजिए। बेहतर हवाई सेवा और सड़क संपर्क इस क्षेत्र को बहुत लाभ पहुंचाएंगे।

महाराष्ट्र सरकार ने नवी मुंबई मेट्रो के विस्तार को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र सरकार ने 22,611 करोड़ रुपए की अवसंरचना परियोजनाओं को मंगलवार को मंजूरी दे दी, जिनमें घोड़बंदर रोड और भायंदर को जोड़ने वाली सुरंग तथा 'एलिवेटेड कॉरिडोर' के अलावा नवी मुंबई मेट्रो का विस्तार भी शामिल है। इस विस्तार के तहत लाइन-2 के जरिए नवी मुंबई मेट्रो को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ा जाएगा।

इन फैसलों को मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में संपर्क व्यवस्था बेहतर बनाने और यातायात जाम कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इन परियोजनाओं को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता वाली मंत्रिमंडल की अवसंरचना समिति ने मंजूरी दी। कुल व्यय में से 17,036 करोड़ रुपए की परियोजनाएं गायमुख और फाउंटेन होटल के बीच छह लेन वाली सुरंग तथा फाउंटेन होटल से भायंदर तक छह लेन वाले एलिवेटेड कॉरिडोर से संबंधित हैं। वहीं, नवी मुंबई मेट्रो लाइन-1ए और लाइन-2 के लिए 5,575 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्र में परिवहन तेज, अधिक सुगम और यात्रियों के अनुकूल होगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 14 मीटर व्यास वाली सुरंग का निर्माण 'टनल बोरिंग मशीन' (टीबीएम) प्रौद्योगिकी से किया जाएगा। इसके करीब पांच साल में पूरा हो जाने की उम्मीद है।

वसई क्रीक के समानांतर बनने वाला 'एलिवेटेड कॉरिडोर' 100 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से यातायात के आवागमन की सुविधा देगा।

चेनानी-नाशरी खंड पर दो नई 'ट्यूब सुरंगों' को मंजूरी मिली: जितेंद्र सिंह

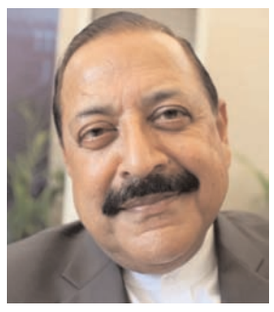

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को घोषणा की कि उधमपुर को रामबन जिले से जोड़ने वाले चेनानी-नाशरी खंड पर मौजूदा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग के समानांतर दो-लेन वाली 'ट्यूब सुरंगों' के निर्माण के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। सिंह ने इस घटनाक्रम को ''उधमपुर के लिए एक और अच्छी खबर'' बताया और प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान करने के लिए केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इससे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बढ़ते यातायात भार को कम करने में मदद मिलेगी।

सिंह ने 'एक्स' पर कहा, ''भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद, जिन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुए जम्मू कश्मीर में एनएच-44 पर चेनानी-नाशरी मार्ग पर मौजूदा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सुरंग के समानांतर एक नई दो-लेन वाली 'ट्यूब सुरंग' के निर्माण का प्रस्ताव रखा है। इससे इस खंड पर बढ़ते यातायात की भीड़ कम होगी और यात्रा सुगम होगी।''

सरकार ने अल-नीनो से प्रभावित होने वाले संभावित जिलों की पहचान की, आपात योजना बनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरकार ने देश भर में 197 ऐसे जिलों की पहचान की है जो अल-नीनो के असर से सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। मंत्रालय ने हर राज्य के लिए आपातकालीन योजनाएं तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रालय किसानों तक पहुंचने के लिए ''खेत बचाओ अभियान'' नाम से एक देशव्यापी जागरूकता अभियान भी चला रहा है।

चौहान ने पत्रकारों से कहा, ''अल-नीनो को लेकर चिंता मेरे मन में हर समय रहती है। पक्के तौर पर तो नहीं, लेकिन 197 जिलों की पहचान सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले जिलों के तौर पर की गई है।'' मंत्रालय अल-नीनो की स्थिति का आकलन करने के लिए हर सप्ताह बैठकें कर रहा है और हालात बिगड़ने पर तेजी से निपटने के लिए बीज समेत खेती से जुड़ी जरूरी चीजों का स्टॉक भी तैयार रखा है। उन्होंने कहा, ''हमने हर राज्य के लिए एक आपातकालीन योजना तैयार की है। इससे निपटने के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' अल-नीनो मौसम से जुड़ी एक ऐसी घटना है जो ऐतिहासिक रूप से कमजोर मानसून और बारिश में अनिश्चितता से जुड़ी रही है - और इस साल भी यह चिंता बनी हुई है। आईएमडी ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के लंबे समय के औसत का लगभग 90% रहने का अनुमान लगाया है, जो सामान्य से कम बारिश वाले मौसम का संकेत है।

टीसीएस में कर्मचारियों की संख्या के बराबर एआई एजेंट होंगे: एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली/भाषा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब टीसीएस के पास कर्मचारियों की संख्या के बराबर कृत्रिम मेधा (एआई) एजेंट होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी की अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने की कोई योजना नहीं है। चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कंपनी की 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि टीसीएस आंतरिक परिचालन, समाधान रूपरेखा और ग्राहक के हिसाब से काम के लिए एआई एजेंट बनाने में निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि टीसीएस लोगों को नौकरी पर रखना जारी रखेगी। एक बार बदलाव हो जाने के बाद, एआई की दुनिया 'बहुत अधिक मौके' पैदा करेगी जिनके लिए नई प्रतिभा की जरूरत होगी।

चंद्रशेखरन ने कहा, ''कंपनी में पांच लाख कर्मचारी हैं। वह दिन दूर नहीं जब कंपनी के पास पांच लाख एआई एजेंट होंगे।'' उन्होंने कहा, ''कर्मचारियों की संख्या कम नहीं की जा रही है। ऐसी कोई योजना नहीं है। हम बस सही प्रतिभा चाहते हैं। हम एजेंट का इस्तेमाल करना चाहते हैं। और हमें बेहतरीन प्रतिभा को आकर्षित करने की जरूरत है...। कर्मचारियों को जोड़ने की रफ्तार वैसी नहीं रहेगी जैसी पहले हुआ करती थी। अगर कंपनी के मानव संसाधन विभाग के पास बड़ी संख्या में प्रतिभा को नियुक्त करने की क्षमता का कोई पैमाना था, तो वह पैमाना खत्म हो जाएगा।''

चेयरमैन ने कहा कि कंपनी के कर्मचारी और एआई एजेंट मिलकर काम करेंगे और यही भविष्य होगा। उन्होंने एआई को टीसीएस के लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका बताते हुए इस प्रौद्योगिकी के वित्तीय पैमाने का उल्लेख किया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कश्मीर शांति और स्थिरता के नए युग का गवाह: रक्षा राज्य मंत्री सेठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की बढ़ती संख्या और फिल्म निर्माण के पुनरुद्धार का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर शांति, स्थिरता और विकास का गवाह बन रहा है।

पुलवामा जिले में 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान' (एम्स) अवंतीपोरा परियोजना की समीक्षा करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, पिछले साल 2.41 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर आए थे, जबकि इस साल अब तक 1.77 करोड़ पर्यटक यहां का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पहले अधिकतर फिल्मों की शूटिंग कश्मीर में होती थी, लेकिन (1980 के दशक के उत्तरार्ध में अशांति के बाद) इस संख्या में गिरावट आई। उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए कहा, लेकिन अब, इसमें फिर से उछाल आया है। सेठ ने बताया कि पिछले साल घाटी में 400 फिल्मों की शूटिंग की गई थी। रक्षा राज्य मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री हमेशा कश्मीर और पूर्वोत्तर का दौरा करने पर जोर देते हैं। हमारा भारत एक है, कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह 1970 के दशक से लगातार कश्मीर का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया, उस दौर के कश्मीर और आज के कश्मीर में बहुत बड़ा अंतर है। यहां बहुत बड़े पैमाने पर विकास हुआ है और इस मामले में पिछले 12 वर्ष अतुलनीय रहे हैं।

धोखाधड़ी से शादी कर कई महिलाओं को ठगने वाला गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे में महिलाओं को फर्जी विवाह और विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगने के आरोप में 37 वर्षीय एक व्यक्ति को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान तेलंगाना निवासी सुरेश रविंद्र के रूप में हुई है, जिसने कथित तौर पर विभिन्न महिलाओं से कुल 90 लाख रुपए की ठगी की।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी को उसके खिलाफ जारी लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) के आधार पर रूस से लौटने के बाद नई दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, ठाणे की एक महिला ने पिछले महीने कसारवडावली पुलिस थाने में रविंद्र के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महिला का आरोप है कि आरोपी ने एक 'मैट्रिमोनियल पोर्टल' के माध्यम से उससे संपर्क किया और विवाह प्रस्ताव स्वीकार किए जाने के बाद मंदिर में फर्जी शादी रचाई। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उसे ऑस्ट्रेलिया या रूस में नौकरी दिलाने का वादा कर 48 लाख रुपए ले लिए।

कसारवडावली पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक निवृत्ति कोल्हटकर ने कहा, ''आरोपी ने यह पैसा भारत और विदेश में महंगी यात्राओं, पब और होटलों पर खर्च किया। जब पीड़िता ने अपने पैसे वापस मांगे तो उसने उसके निजी वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक करने की धमकी दी।''

कोल्हटकर ने बताया कि 11 मई को आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318 (धोखाधड़ी), 316 (आपराधिक विश्वासघात), 82 (द्विविवाह) और 77 के अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम तथा दहेज निषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

जांच में पता चला कि आरोपी तेलंगाना के अल्लापुर पुलिस थाने में दर्ज एक अन्य मामले में भी वांछित था। उस पर शादी के बाद एक महिला से 15 लाख रुपए की ठगी करने और उसके मित्रों को यूरोप में नौकरी दिलाने का झांसा देकर 18 लाख रुपए ठगने का आरोप है।

सीतारमण पश्चिम बंगाल में बैंकों के साथ प्रमुख योजनाओं की समीक्षा करेंगी: सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक क्षेत्रों एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के साथ जल्द ही जन धन, मुद्रा और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा जैसी प्रमुख सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगी। सरकारी सूत्रों ने यह जानकारी दी। पश्चिम बंगाल में पिछले महीने हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा ने भारी बहुमत के साथ जीत हासिल की थी और 15 वर्षों से शासन कर रही तृणमूल कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नई दिल्ली में वित्त मंत्री से मुलाकात की थी। सीतारमण बंगाल में पूंजीगत अवसंरचना को मजबूत करने के मकसद से पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना की भी समीक्षा करेंगी। सूत्रों के अनुसार, वह बंगाल में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), मुद्रा, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी विभिन्न प्रमुख योजनाओं के व्यापक कार्यान्वयन का आकलन करेंगी।

इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री मई में 81.20% बढ़कर 26,682 इकाई पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री में तेज उछाल आया है। इन वाहनों की बिक्री मई में 81.2 प्रतिशत बढ़कर 26,682 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 14,725 इकाई थी। खुदरा वाहन उद्योग निकाय फाडा ने मंगलवार को यह कहा।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने एक बयान में कहा कि टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लि. इलेक्ट्रिक यात्री वाहने बेचने के मामले में शीर्ष पर बनी रही। कंपनी की बिक्री पिछले महीने दोगुना होकर 10,340 इकाई रही जो मई, 2025 में 5,083 इकाई थी। घरेलू कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा इस दौरान 6,210 इलेक्ट्रिक वाहन बेचकर दूसरे स्थान पर रही। पिछले साल इसी महीने के 2,891 यूनिट के मुकाबले यह 114.8 प्रतिशत अधिक है। फाडा ने बताया कि जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया पिछले महीने 4,984 इकाई के साथ तीसरे स्थान पर रही, जबकि पिछले महीने इसी महीने में यह आंकड़ा 4,599 इकाई था। इलेक्ट्रिक दोपहिया खंड में कुल बिक्री पिछले महीने 62.76 प्रतिशत बढ़कर 1,70,733 इकाई रही, जबकि मई, 2025 में यह 1,04,896 इकाई थी। टीवीएस मोटर कंपनी ने इस खंड में बढ़त बनाए रखी। कंपनी की बिक्री मई, 2026 में 64.54 प्रतिशत बढ़कर 42,459 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 25,804 इकाई थी। फाडा के आंकड़ों के मुताबिक, बजाज ऑटो 39,202 इकाई के साथ दूसरे स्थान पर रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 22,642 वाहन बेचे थे।

महाराष्ट्र: लातूर में बैल की मौत के बाद किसान दंपति हल खींचने को मजबूर

लातूर/भाषा। महाराष्ट्र के लातूर जिले में आकाशीय बिजली की चपेट में आकर बैल की मौत होने के बाद एक किसान दंपति को अपनी जमीन जोतने के लिए हल चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। किसान काशीनाथ गायकवाड़ और उनकी पत्नी आशाबाई एक वायरल वीडियो में खेत जोतते हुए दिखाई दे रहे हैं। नया हल खरीदने के लिए पैसे न होने के कारण उन्हें हल चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह दंपति लातूर जिले की देवनी तहसील के निवासी हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरदचंद्र पवार (शप) विधायक रोहित पवार ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए कहा कि राज्य सरकार को किसान को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए। किसानों की परेशानी को कम करने के लिए बिना शर्त कृषि ऋण माफी की आवश्यकता है।

तेलंगाना: उत्पीड़न के कारण युवती ने आत्महत्या की

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के जगतियाल जिले में उत्पीड़न से परेशान होकर 20 वर्षीय एक युवती ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि युवती को एक युवक कई दिनों से परेशान कर रहा था और उससे शादी करना चाहता था। युवती ने सोमवार को जगतियाल ग्रामीण मंडल स्थित अपने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि युवती और 20 वर्षीय आरोपी पिछले पांच वर्षों से एक-दूसरे को जानते थे और सहपाठी थे। पुलिस ने बताया कि बाद में किसी मुद्दे को लेकर युवती ने आरोपी युवक से दूरी बना ली थी। युवती के माता-पिता ने हाल ही में अपनी बेटी की शादी किसी और से करने की कोशिश की जिसके बाद आरोपी ने बार-बार उससे फोन कर पूछा कि वह किसी और से शादी क्यों करना चाहती है।

'विश्वगुरु' बनाने का वादा और देश को मिला पेपर लीक और बेतहाशा महंगाई : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर मंगलवार को आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने भारत को विश्वगुरु बनाने का वादा किया था, लेकिन इतने वर्षों में देश आर्थिक बदहाली, महंगाई, बेरोजगारी, पेपर लीक और सामाजिक विभाजन जैसी चुनौतियों से घिर गया। पार्टी के शोध विभाग के प्रमुख राजीव गौड़ा और मीडिया विभाग में शोध मामलों के प्रभारी अमिताभ दुबे ने अर्थव्यवस्था, महंगाई, विदेश नीति और कई अन्य बिंदुओं का उल्लेख करते हुए मोदी सरकार पर विफलता का आरोप लगाया और कहा कि सिर्फ प्रचार किया जा रहा है, जबकि लोगों के जीवन कोई सार्थक बदलाव नहीं आया।

गौड़ा ने कहा, ''मोदी सरकार ने घोषणा की है कि वह उज्ज्वला लाभार्थियों को दिए जाने वाले एलपीजी सिलेंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार कर रही है। ठीक 10 साल पहले, यह घोषणा की गई थी कि भारत की महिलाओं को अब खाना पकाने के खतरनाक और हानिकारक तरीकों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, और उज्ज्वला कार्यक्रम के प्रत्येक लाभार्थी के लिए 12 सिलेंडर देने का वादा किया गया था। तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने की सालगिरह पर प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की महिलाओं और परिवारों के खिलाफ यह प्रहार करने का फैसला किया है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में वादों के साथ-साथ बड़ी घोषणाएं, बड़े-बड़े बयान और सुर्खियां भी जुड़ी हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि लोगों जीवन में सार्थक बदलाव नहीं आया।

राज्यसभा के पूर्व सदस्य ने कहा, ''कहा गया था कि लोगों को महंगाई से राहत मिलेगी, लेकिन सच्चाई यह है कि 2014 से अब तक एलपीजी का दाम 123 प्रतिशत बढ़ा है। पेट्रोल का दाम 44 प्रतिशत और डीजल का 73 प्रतिशत बढ़ा है। दूध के दाम में 71 प्रतिशत और दाल की कीमत 84 प्रतिशत बढ़ी है।'' कांग्रेस नेता अमिताभ दुबे ने केंद्र सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने का वादा किया गया था, लेकिन आज हकीकत सामने है और साफ दिख रहा है कि क्या हालात हैं और दुनिया के एक हिस्से में चल रहे युद्ध का भारत पर कितना असर पड़ रहा है।

मप्र रास चुनाव: सेंधमारी के डर से कांग्रेस के

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मप्र रास चुनाव: सेंधमारी के डर से कांग्रेस के विधायकों का पहला जत्था कर्नाटक रवाना

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 18 जून को होने वाले मतदान में क्रॉस वोटिंग से बचने और अपने खेमे को एकजुट रखने के मकसद से कांग्रेस के 35 विधायकों का पहला जत्था एक विशेष विमान से पार्टी शासित कर्नाटक के लिए रवाना हो गया।

कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के मीडिया प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुकेश नायक ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''35 विधायकों का पहला जत्था अपने परिवार के सदस्यों के साथ बेंगलूरु के लिए रवाना हो गया जबकि बाकी शाम तक रवाना हो जाएंगे।'' उन्होंने बताया कि विपक्ष के नेता उमंग सिंघार भी कांग्रेस विधायकों के साथ गए हैं।

इससे पहले, सिंघार ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा था कि कांग्रेस के सभी विधायकों को पार्टी शासित किसी प्रदेश में ले जाया जाएगा क्योंकि भाजपा उनके विधायकों को कथित तौर पर खरीदने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ विधायकों ने उन्हें बताया है कि भाजपा के लोग 'नोटों से भरी थैली' लेकर उनसे संपर्क करने आए थे लेकिन उन्होंने उन्हें लौटा दिया।

सिंघार ने दावा किया कि 18 तारीख को मतदान के दिन भाजपा का सारा 'षड्यंत्र' विफल होगा।

सौंसर से विधायक विजय रेवानाथ चौरे ने बाद में 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा कि सभी विधायक भोपाल से बेंगलूरु जा रहे हैं। उन्होंने भी दावा किया कि भाजपा विधायकों की खरीद फरोख्त के प्रयास कर रही है, इसलिए पार्टी के शीर्ष नेताओं ने विधायकों को एक साथ किसी कांग्रेस शासित राज्य में रखने का फैसला किया है।

राज्य में खाली हुई जिन तीन सीटों पर चुनाव चुनाव हो रहे हैं, उनमें से दो पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत तय मानी जा रही है जबकि संख्या बल के लिहाज से तीसरी

भाजपा-जद (एस) गठबंधन में दरार डालने के लिए कांग्रेस ने देवेगौड़ा को लेकर जताई सहानुभूति : एच.डी. कुमारस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंडया। केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने मंगलवार को कहा कि कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस 2008 के विधानसभा चुनावों में जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच हुए गठबंधन के प्रभावों को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा को राज्यसभा सीट न मिलने पर सहानुभूतिपूर्ण टिप्पणियां करके इस गठबंधन में दरार पैदा करने की कोशिश कर रही है। यह स्पष्टीकरण कांग्रेस नेताओं की उस आलोचना के बाद आया है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर देवेगौड़ा को राज्यसभा के लिए नामित नहीं करने का आरोप लगाया था।

कुमारस्वामी ने कहा, कांग्रेस अब देवेगौड़ा के प्रति सहानुभूति दिखा रही है। हर कोई जानता है कि उन्होंने (कांग्रेस ने) देवेगौड़ा के 70 साल के राजनीतिक जीवन में उनके साथ कैसा व्यवहार किया। मैं अभी इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। वे देवेगौड़ा के प्रति सहानुभूति इसलिए दिखा रहे हैं, क्योंकि वे भाजपा-जद (एस) गठबंधन से डरे हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस को समझ आ गया है कि 2028 के विधानसभा चुनाव में क्या होगा, इसलिए उनका इरादा गठबंधन में फूट डालना है। उन्होंने यहां पत्रकारों से बातचीत में पूछा, क्या जद(एस) या देवेगौड़ा ने राज्यसभा सीट मांगी थी? उन्होंने यह भी कहा, यह हमारी चिंता का विषय नहीं है; भाजपा के पास 60 से अधिक विधायक हैं। अगर हम राज्यसभा सीट मांगते हैं, तो देवेगौड़ा के बारे में जनता की राय क्या होगी? कुछ लोग चर्चा कर रहे हैं कि देवेगौड़ा वहां (संसद में) कर्नाटक की आवाज बुलंद कर सकते थे, जो एक अलग बात है। वह (पूर्व प्रधानमंत्री) सत्ता में हों या न हों, (लेकिन) मैं उनके (देवेगौड़ा के) राज्य के लिए आवाज उठाने के कई उदाहरण दे सकता हूं।

भाजपा ने रविवार देर रात कर्नाटक से प्रो. एम. नागराज को अपना राज्यसभा उम्मीदवार घोषित किया। राज्य विधानसभा में अपनी मौजूदा ताकत के आधार पर भाजपा 18 जून को होने वाले चुनाव में चार सीटों में से एक सीट

जीत सकती है। यह चुनाव इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि देवेगौड़ा सहित चार सांसदों का कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है। जद (एस) कथित तौर पर उम्मीद कर रही थी कि भाजपा देवेगौड़ा को फिर से राज्यसभा के लिए नामित करेगी। कुमारस्वामी ने स्पष्ट किया कि देवेगौड़ा सत्ता के लिए कभी दूसरों के दरवाजे पर नहीं गए। उन्होंने कहा कि पूरे पांच साल तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने का मौका होने के बावजूद, देवेगौड़ा पद छोड़कर वापस आ गए और कहा कि उनके आत्मसम्मान को जहां ठेस पहुंची, वह वहां नहीं रहेंगे।

उन्होंने आगे कहा, क्या उन्हें राज्यसभा सीट के लिए संघर्ष करना पड़ेगा? उन्हें भगवान से केवल अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकता है। जद (एस) नेता ने कांग्रेस पार्टी के उन दावों को भी खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने पिछली बार जून 2020 में देवेगौड़ा का 'राज्यसभा में प्रवेश' सुनिश्चित किया था। उन्होंने पूछा, यह कहां और कब हुआ? कांग्रेस के पास दूसरा उम्मीदवार खड़ा करने के लिए संख्या कहाँ थी?

कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन सरकार गिरने के बाद की स्थिति का विवरण देते हुए कुमारस्वामी ने कहा, उन्होंने (कांग्रेस ने) यह सुनिश्चित किया था कि देवेगौड़ा 2019 का लोकसभा चुनाव तुमकुर से हार जाएं। जब चार सीटों के लिए राज्यसभा चुनाव हुए, तो न तो भाजपा और न ही जद (एस) के पास अतिरिक्त सीट के लिए उम्मीदवार खड़ा करने की पर्याप्त संख्या थी। उस समय येडीयुरप्पा मुख्यमंत्री थे और उन्होंने मुझसे कहा कि भाजपा उम्मीदवार नहीं उतारेगी। येडीयुरप्पा ने मुझसे यह सुनिश्चित करने को कहा था कि गौड़ा चुनाव लड़ें और जीतें, क्योंकि राज्यसभा में उनकी उपस्थिति जरूरी थी।

उन्होंने यह भी कहा, देवेगौड़ा तब राज्यसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे, लेकिन मैंने उन्हें मजबूर किया। यह स्थिति के अनुरूप निर्मित अवसर था, न कि कांग्रेस के समर्थन के कारण। देवेगौड़ा को राज्यसभा भेजने के लिए समर्थन न देकर भाजपा द्वारा वोक्कालिगा समुदाय के साथ अन्याय करने के कांग्रेस के दावे पर तंज कसते हुए कुमारस्वामी ने (डी के शिवकुमार का संदर्भ देते हुए) कहा, जब हमारे पास एक वोक्कालिगा समुदाय के मुख्यमंत्री हैं, तो राज्यसभा क्यों? अन्याय कैसे हुआ? मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार राज्य के सभी पूर्व मुख्यमंत्रियों से मिल रहे हैं, ऐसे में कुमारस्वामी से मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा, मैं उन्हें क्या सलाह दे सकता हूं? जब उन्होंने (शिवकुमार ने) हाल ही में तुमकुर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि कुमारस्वामी दो बार मुख्यमंत्री रहे, लेकिन उन्होंने क्या किया है? जब मैंने कुछ किया ही नहीं, तो मैं क्या सुझाव दे सकता हूं? उन्हें मुझसे क्या सलाह मिल सकती है? वह जो चाहते हैं, वह सिर्फ अखबारों में आने के लिए एक तस्वीर है। यह पूछे जाने पर कि क्या 2028 में कर्नाटक में भाजपा-जद(एस) गठबंधन के सरकार गठन की स्थिति में वह मुख्यमंत्री बनेंगे, कुमारस्वामी ने कहा, मुख्यमंत्री बनने से ज्यादा, मैं अपने लोगों की रक्षा करना चाहता हूं।

राहुल गांधी ने एआईसीसी सचिव सूरज हेगड़े को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव और कर्नाटक सरकार की गारंटी समिति के उपाध्यक्ष सूरज हेगड़े को श्रद्धांजलि अर्पित की। हेगड़े (55) का दिल का दौरा पड़ने के कारण रविवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। गांधी ने डॉलर कॉलोनी स्थित हेगड़े के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके साथ मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, एआईसीसी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला, उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर, कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.के. हरिप्रसाद और अन्य लोग भी थे।

उन्होंने हेगड़े के परिवार से भी मुलाकात की और शोक संवेदना व्यक्त की। हेगड़े का अंतिम संस्कार आज होने की संभावना है। इस बीच, हेगड़े को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शिवकुमार, सिद्दरामय्या और हरिप्रसाद लेने आए थे। हेगड़े भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व प्रभारी थे। वह पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स के पोते थे।

गांधी ने सोमवार को हेगड़े के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एआईसीसी सचिव और भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व प्रभारी के रूप में उन्होंने पार्टी के आदर्शों में दृढ़ विश्वास के साथ काम किया। युवा कांग्रेस उनके लिए महज एक जिम्मेदारी नहीं थी। उन्होंने युवा भारतीयों का मार्गदर्शन किया, जो आज कांग्रेस की न्याय और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता को आगे बढ़ा रहे हैं। गांधी ने कहा, उनका निधन कांग्रेस परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके परिवार, उनके सहयोगियों और हर उस कांग्रेस कार्यकर्ता के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं, जिनके जीवन को उन्होंने प्रभावित किया।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, सूरज हेगड़े का निधन कांग्रेस परिवार के लिए बड़ी क्षति है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और युवा नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किए। हम उन्हें हमेशा स्नेह, सम्मान और कृतज्ञता के साथ याद करेंगे। उनके परिवार, मित्रों और शुभचिंतकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी दुःख व्यक्त किया और कहा, सूरज हेगड़े के असामयिक निधन से मैं गहरे सदमे में हूं। उन्होंने एआईसीसी सचिव के रूप में पूरी निष्ठा के साथ पार्टी की सेवा की। सूरज मेरे परिवार के बहुत करीब थे और मैं उन्हें किशोरावस्था से जानता था। उन्हें एक समर्पित और संगठन के प्रति प्रतिबद्ध नेता के रूप में विकसित होते देखना सुखद था। उन्होंने युवा कांग्रेस में महत्वपूर्ण योगदान दिया और देवराज उर्स की विरासत तथा मूल्यों को ईमानदारी से आगे बढ़ाया।

खड़गे ने कहा, इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करे।

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी अपने शोक संदेश में कहा कि सूरज हेगड़े के अचानक निधन की खबर से उन्हें गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में एक युवा नेता का इस तरह दुनिया छोड़ जाना बेहद दुखद है। उन्होंने बताया कि सूरज हेगड़े एआईसीसी सचिव के रूप में संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय थे और तमिलनाडु तथा पुडुचेरी के प्रभारी के रूप में भी उन्होंने कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिवकुमार ने उनके निधन को कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

बीआईईसी में कल से शुरू होगा 'मेगा खाद्य व्यापार मेला'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में खाद्य और कृषि उद्योग से जुड़े व्यवसायियों, स्टार्टअप्स और विशेषज्ञों के लिए एक बड़ा मंच सजने जा रहा है। शहर के बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र (बीआईईसी) में आगामी 11 से 13 जून तक एक भव्य व्यापार और प्रदर्शनी मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेगा फूड ट्रेड शो का आधिकारिक उद्घाटन खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा करेंगे। यह भारत और विदेश के निर्माताओं, आपूर्तिकर्ताओं, वितरकों, स्टार्टअप्स और उद्योग जगत के पेशेवरों को अपने नवीनतम उत्पादों, प्रौद्योगिकी और नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करेगा। खाद्य प्रसंस्करण, चाय-कॉफी और पोल्ट्री क्षेत्रों की 100 से अधिक कंपनियां इसमें भाग लेंगी और उन्नत मशीनरी, नवीन पैकेजिंग और स्वचालन समाधान, विशेष खाद्य उत्पाद और कई अन्य उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। कर्नाटक प्रगतिशील डेयरी किसान संघ के अध्यक्ष बी.जे. पृथ्वी गौड़ा, एफकेसीसीआई अध्यक्ष उमा रेड्डी, एफईआरआई अध्यक्ष रमेश शिवन्ना, क्रेश्मा अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, के.आर. सचिव ए.सी. ईश्वर, ऑटो डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष वी.के. वेंकटेश और अन्य लोग इसमें शामिल होंगे।

बेंगलूरु हवाई अड्डे पर 5.23 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त

बेंगलूरु। बैंकॉक से बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे एक यात्री के पास से 5.23 करोड़ रुपये मूल्य का 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बेंगलूरु सीमा शुल्क विभाग ने 'एक्स' पर बताया कि अधिकारियों ने सामान में छिपाकर रखे गए 14.93 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक' गांजे को जब्त किया, जिसकी कीमत 5.23 करोड़ रुपये है। 'हाइड्रोपोनिक' गांजा, गांजे की उच्च क्षमता वाली किस्म है, जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर जल-आधारित प्रणाली में उगाया जाता है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी की पहचान उजागर कर दी गई है और उसे स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

कर्नाटक सरकार महिला बस यात्रियों के लिए स्मार्ट कार्ड जारी करेगी

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार शक्ति योजना के तहत महिलाओं को स्मार्ट कार्ड जारी करेगी, जिससे वे राज्य द्वारा संचालित बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। परिवहन मंत्री बिरथी सुरेश ने यह जानकारी दी। मंत्री ने कहा कि राज्य में तीन करोड़ से अधिक लोगों को ये स्मार्ट कार्ड मिलने की उम्मीद है। महिलाओं को ये कार्ड मुफ्त में मिलेंगे, जबकि पुरुष मेट्रो कार्ड की तरह शुल्क देकर इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। इन कार्डों में बैलेंस खत्म होने पर इन्हें रिचार्ज करना होगा।मंत्री ने कहा कि चूंकि लगभग तीन करोड़ स्मार्ट कार्ड जारी करने की आवश्यकता है, इसलिए सरकार इनके उत्पादन के लिए निविदाएं आमंत्रित करने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों को एक पायलट परियोजना के तहत जल्द ही स्मार्ट कार्ड वितरण प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। सुरेश ने सोमवार को आधिकारिक तौर पर परिवहन मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया और अधिकारियों से मुलाकात की। बाद में, उन्होंने कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) के मुख्यालय का दौरा किया और परिवहन विभाग के कामकाज की समीक्षा करने के लिए चार परिवहन निगमों केएसआरटीसी, बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी), उत्तर पश्चिम कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (एनडब्ल्यूकेआरटीसी) और कल्याण कर्नाटक रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (केकेआरटीसी) के प्रमुखों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की।

देह व्यापार गिरोह चलाने के आरोप में महिला गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में किराए के एक मकान से देह व्यापार गिरोह चलाने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह गिरफ्तारी सेंट्रल क्राइम ब्रांच की महिला सुरक्षा दस्ते ने की है। पुलिस ने बताया कि एक सूचना के आधार पर हाल ही में चिक्कबनवारा के रुद्रम्मा लेआउट में स्थित एक घर पर छापा मारा गया, जहां महिलाओं को वेश्यावृत्ति के लिए रखा जा रहा था।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान, एक महिला को हिरासत में लिया गया, जिसने कथित तौर पर महिलाओं को वेश्यावृत्ति में धकेलने या इसके लिए उकसाने का काम किया था, जबकि वेश्यावृत्ति में लिप्त दो अन्य महिलाओं को बचाया गया। पूछताछ के दौरान, हिरासत में ली गई महिला ने कथित तौर पर कबूल किया कि अधिक पैसे कमाने के इरादे से वह फोन पर वेश्यावृत्ति की सेवाएं चाहने वाले पुरुषों से संपर्क करती थी, उन्हें घर बुलाती थी और वहां वेश्यावृत्ति की गतिविधियों में सहयोग करती थी। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

केन्द्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने की समीक्षा बैठक

बेंगलूरु और तुमकुरु के बीच बेहतर होगी रेलवे सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने बेंगलूरु और तुमकुरु लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चल रही और प्रस्तावित रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लेने के लिए मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अजय शर्मा और दपरे के निर्माण विभाग के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। समीक्षा में बेंगलूरु और मैसूरु डिवीजनों के अंतर्गत कार्यों को शामिल किया गया, जिसमें रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) और प्रमुख नई रेलवे लाइन परियोजनाएं शामिल थीं। जनता की कनेक्टिविटी और सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए तुमकुरु लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में कुल 32 आरओबी और आरयूबी कार्यों को पूरा किया जा रहा है। पंडितनाहल्ली, मैडाला, बद्दीहल्ली, बटावडी, हेगगेरे, मल्लासंद्रा, बेनचेगेरे, निट्टूर-मैसूरु, नंदीहल्ली गेट और हासन व बिदिरेगुडी की ओर जाने वाली इक रोड पर प्रमुख क्रॉसिंग जैसे कई बड़े आरओबी कार्यों में अलग-अलग चरणों में प्रगति हो रही है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन कार्यों को 2026-27 की निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करना सुनिश्चित करें।

बैठक में कई आरयूबी और पैदल यात्रियों के लिए सबवे के सफल समापन और उद्घाटन पर भी ध्यान दिया गया, जिनमें हेले शेट्टीहल्ली गेट, बांदीहल्ली रोड गेट, डोनेरे गेट, डी. रामपुरा गेट और बाडेनहल्ली गेट शामिल हैं। आरओबी/आरयूबी और फुट ओवर ब्रिज को जल्द से जल्द चालू करने में तेजी लाने के निर्देश जारी किए गए। दो प्रमुख नई रेलवे लाइन परियोजनाओं में महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की गई। तुमकुरु-चित्रदुर्ग-दावणगेरे (191 किमी) परियोजना, जिसे कर्नाटक सरकार के साथ 50:50 लागत-साझाकरण मॉडल के तहत 1,801 करोड़ की अनुमानित लागत से पूरा किया जा रहा है, में 92 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण का काम पूरा हो चुका है। उरुकेरे-थिम्माराजनहल्ली खंड (13.31 किमी) का सीआरएस निरीक्षण पूरा हो चुका है और यह चालू होने के लिए तैयार है। अन्य खंड सक्रिय निष्पादन के अधीन हैं, पूरी परियोजना को फरवरी 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

तुमकुरु-रायदुर्ग (206 किमी) नई लाइन परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 2,496 करोड़ है, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश को जोड़ेगी। इसमें से 83 किमी पहले ही चालू हो चुका है। तुमकुरु-उरुकेरे खंड ने सीआरएस निरीक्षण पूरा कर लिया है, जबकि पावागाडा-डोड्डा हल्ली खंड उद्घाटन के लिए तैयार है। शेष खंड अच्छी प्रगति कर रहे हैं, भूमि अधिग्रहण 97 प्रतिशत से अधिक पूरा होने वाला है। मंत्री ने शेष भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने, सड़क बंद करने और मोड़ने के लिए समय पर मंजूरी प्राप्त करने और बिजली लाइनों, पानी की पाइपलाइनों और वन मंजूरी से जुड़े उपयोगिता स्थानांतरण मुद्दों को संबोधित करने के लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन के साथ घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री ने इन परियोजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला, यह देखते हुए कि बेंगलूरु और तुमकुरु में बेहतर रेल कनेक्टिविटी से औद्योगिक विकास, व्यापार और समग्र क्षेत्रीय विकास को समर्थन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने निर्देश दिया कि समय पर पूरा करना एक प्रमुख प्राथमिकता है और कहा कि देरी से बचने के लिए सभी प्रयास किए जाने चाहिए।

मुलाकात

मंगलवार को विधानसौधा में तमिलनाडु कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि, सुधा और हासन के सांसद श्रेयस पटेल ने मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की।

बेंगलूरु डिवीजन ने 'इंटरनेशनल लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस डे' मनाया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । हर साल जून के महीने में, सड़क इस्तेमाल करने वालों के बीच रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 'इंटरनेशनल लेवल क्रॉसिंग अवेयरनेस डे' मनाया जाता है। इस साल, यह दिन 9 जून को मनाया गया। इस मौके पर, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने आज केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बोलते हुए, बेंगलूरु के डिविजनल रेलवे मैनेजर आशुतोष कुमार सिंह ने लेवल क्रॉसिंग गेट पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि जब गेट बंद हों तो वे ट्रैक पार करने की कोशिश न करें और ऐसी स्थिति में गेट खोलने के लिए गेटमैन पर दबाव न डालें।

उन्होंने कहा कि गेट बंद होने पर ट्रैक पर आना-जाना बेहद खतरनाक और जानलेवा हो सकता है। स्काउटस एंड गाइड्स ने एक नुक्कड़ नाटक पेश किया, जिसमें दिखाया गया कि कैसे रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर सड़क इस्तेमाल करने वालों की लापरवाही से जान को खतरा हो सकता है। जागरूकता अभियान के तहत यात्रियों को जानकारी देने वाले पैम्फलेट बांटे गए। इस मौके पर एडिशनल डिविजनल रेलवे मैनेजर परीक्षित मोहनपुरिया और प्रवीण कतारकी; सीनियर डिविजनल सेफ्टी ऑफिसर श्रीनिवास राव; साथ ही अन्य अधिकारी, कर्मचारी, स्काउटस एंड गाइड्स के सदस्य और आम जनता मौजूद थी। इस आयोजन के तहत, बेंगलूरु डिवीजन में कई लेवल क्रॉसिंग गेट पर भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मल्लेश्वरम के निर्मला रानी स्कूल में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ स्कूली बच्चों को रेलवे सुरक्षा और लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में बताया गया।

मादक पदार्थ खिलाकर महिला से सामूहिक दुष्कर्म

दावणगेरे। कर्नाटक के दावणगेरे में 41 वर्षीय महिला को कथित तौर पर मादक पदार्थ खिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करने के मामले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना तीन जून की शाम को बसवापटना थाना क्षेत्र के एक गांव में घटी। पुलिस ने बताया हालांकि मामला आठ जून को तब सामने आया, जब आरोपियों द्वारा कथित तौर पर रिकॉर्ड किया गया महिला का एक वीडियो विभिन्न व्हाट्सएप समूहों में साझा किए जाने के बाद 'वायरल' हो गया। पुलिस के मुताबिक, महिला की शिकायत के बाद प्राथमिकी में नामजद सभी 10 लोगों को इस घटना के संबंध में गिरफ्तार कर लिया गया।

हावेरी में दर्दनाक सड़क हादसा, एक ही परिवार के 17 लोग हुए घायल

हावेरी । कर्नाटक के हावेरी में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क दुर्घटना सामने आई। इसमें करीब 17 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से 5 लोगों को गंभीर चोटें आईं। फिलहाल, सभी घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, हावेरी जिले के सावनूर तालुक के कुनिमेत्तल्ली गांव के पास नेशनल हाईवे 48 पर टक्कर हुई। यहां एक ट्रैवलर गाड़ी ने खड़ी हुई लॉरी को टक्कर मारी। यह हादसा इतना भयंकर था कि ट्रैवलर का आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घायलों को बाहर निकाला।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

आवेदन अधिसूचना सं.: 565/STBA/06-02/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी, दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु विभाग पर निम्नलिखित स्टेशनों पर तीन (03) साल की अवधि के लिए **अनरिज़र्व्ड टिकेट सिस्टम (यूटीएस)** के आधार पर अनारक्षित / सामान्य टिकट जारी करने का नियुक्ति के लिए कमीशन के आधार पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंटों (एसटीबीए) की नियुक्ति के लिए मुहरबंद आवेदन आमंत्रित करता है।

क्र.सं.	स्टेशन का नाम	स्टेशन कोड़	स्टेशन वर्ग
1	बानसवाडी	बीएएनडी	एनएसजी-5

आवेदन जमा करने की तिथि और समय: 10.07.2026, 10:00 बजे से 15:00 बजे तक
आवेदन खोलने की तिथि और समय: 10.07.2026, 15:05 बजे

विवरण के लिए लॉग ऑन करें **www.swr.indianrailways.gov.in** में

PUB/196/AAF/PRB/SWR/2026-27 **वरिष्ठ विभागीय वाणिज्य प्रबंधक/बेंगलूरु**

आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए **RailOne** ऐप डाउनलोड करें।

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के खो-नागोरियन क्षेत्र में मंगलवार को एक मकान में कथित तौर पर संचालित पटाखा फैक्टरी में आग लगने से तीन लोगों की झुलस कर मौत हो गयी, जबकि पांच अन्य को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस से मिली शुरुआती जानकारी में कहा गया है कि हादसे में झुलसे लोगों को सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह एक पटाखा फैक्टरी थी, जिसमें मजदूर काम कर रहे थे।

पुलिस ने कहा कि फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) द्वारा जांच की जा रही है। सवाई मानसिंह अस्पताल की अधीक्षक डॉ. मृणाल जोशी ने बताया कि हादसे के बाद लाए गए तीन लोगों की मौत हुई है। जयपुर कलक्टर संदेश नायक ने घटनास्थल का दौरा किया और बताया कि आग को अग्निशमन कर्मियों की सहायता से बुझा दिया गया है। एक स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि आग लगने से पहले धमाके की आवाज सुनाई दी थी।

उसने बताया, हमने धमाके की आवाज सुनी और तुरंत मकान की ओर दौड़े। पानी डालकर अंदर घुसे और कुछ लोगों को बाहर निकाला। चश्मदीद के मुताबिक घटनास्थल पर झुलसे हुए दो लोग सड़क पर तड़पते हुए पाए गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें कपड़ों से ढककर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। इससे पहले, जयपुर (पूर्व) के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक सिंघल ने बताया, हादसे के बाद पांच अन्य लोगों को मौके से बचा कर उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया है।

नामांकन पत्रों की जांच सभी सही पाये गये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा की तीन सीटों के लिए होने वाले द्विवार्षिक निर्वाचन के लिए प्रत्याशियों द्वारा भरे गये सभी नौ नामांकन पत्रों की मंगलवार को विधान सभा में जांच की गयी, जिसमें सभी नामांकन पत्र सही पाये गये। रिटर्निंग ऑफिसर भारत भूषण शर्मा ने बताया कि इंडियन नेशनल कांग्रेस के नीरज डांगी ने तीन तथा भारतीय जनता पार्टी के श्रीमती अलका सिंह ने दो और सतीश पूनिया के चार नामांकन पत्रों की जांच अभ्यार्थियों, प्रस्थापकों और निर्वाचन अभिकर्ताओं के समक्ष बारीकी से की गयी।

नामांकन पत्रों की जांच पर्यवेक्षक एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन की मौजूदगी में रिटर्निंग ऑफिसर भारत भूषण शर्मा ने की। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नामांकन पत्रों की जांच की वीडियोग्राफी भी की गई। राज्यसभा निवार्चन के लिए नाम वापसी की अंतिम तिथि 11 जून है।

मुख्यमंत्री ने मथुरा में गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की

मथुरा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार रात मथुरा में पवित्र गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की, उनके साथ उनकी पत्नी गीता देवी भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री शर्मा ने गिरिराज जी की पूजा-अर्चना करके परिक्रमा की शुरुआत की। गोवर्धन के दानघाटी मंदिर के सेवायत जी के पुरोहित ने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा ने देशवासियों की कल्याण, शांति, सद्भाव और विकास के लिए प्रार्थना की। भजनलाल शर्मा ने कहा कि गोवर्धन परिक्रमा करने से उन्हें आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा की अनुभूति होती है। उन्होंने परिक्रमा मार्ग के प्रमुख मंदिरों में भी दर्शन-पूजन किया।

सोमवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने लिखा, आज पावन धाम गोवर्धन जी की सप्तकोसीय परिक्रमा और गिरिराज महाराज के दर्शन का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ। ठाकुर जी से समस्त प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और राजस्थान की निरंतर प्रगति व विकास की मंगल कामना की। सेवायत जीके पुरोहित के अनुसार, इस दौरान भजनलाल शर्मा की पत्नी गीता देवी ने भी दंडवत परिक्रमा पूरी की। सेवायत जी के पुरोहित के अनुसार, अनुष्ठान के तहत साष्टांग परिक्रमा के बाद सामान्य परिक्रमा की परंपरा होती है। गौरतलब है कि गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा और महाभिषेक के लिए सालभर लाखों श्रद्धालु मथुरा आते हैं।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं समयबद्ध शिकायत निस्तारण के लिए मुख्य सचिव ने दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में सचिवों की समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव एवं शासन सचिव उपस्थित रहे। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति, बजटीय प्रावधानों के विरुद्ध निधियों के उपयोग तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने योजनाओं के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचे।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक प्रक्रियाओं में अनावश्यक विलंब समाप्त करने के लिए ई-फाइलों के निस्तारण की प्रक्रिया को और सरल बनाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ई-फाइल को जिन विभिन्न स्तरों से होकर गुजरना पड़ता है, उनकी संख्या यथासंभव कम की जाए ताकि निर्णय प्रक्रिया में तेजी आए तथा प्रशासन अधिक दक्ष एवं उत्तरदायी बन सके।

उन्होंने विभागों को लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण पर विशेष ध्यान देने के लिए भी कहा।

बैठक में मुख्य सचिव ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान जैसे जनभागीदारी आधारित अभियानों में व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी जनजागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समाज की सक्रिय भागीदारी अभियान की सफलता की कुंजी है तथा विभागों को स्थानीय स्तर पर व्यापक संवाद एवं सहभागिता को बढ़ावा देना चाहिए।

मुख्य सचिव ने राजस्थान सम्पर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर विशेष बल दिया।

उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायतों का निपटारा निर्धारित समय सीमा में उचित माध्यम से किया जाए। साथ ही, पोर्टल एवं हेल्पलाइन पर कार्यरत शिकायत निवारण अधिकारियों को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए ताकि शिकायतों के प्रभावी एवं त्वरित समाधान की व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने विधानसभा सदस्यों द्वारा पूछे गए लंबित प्रश्नों के उत्तर भी शीघ्र एवं तथ्यपरक रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में सीजेरियन प्रसव के बाद छह महिलाओं की तबीयत बिगड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर स्थित प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पीबीएम) अस्पताल में सीजेरियन प्रसव के बाद छह प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद पूरे प्रकरण की जांच के लिए एक समिति गठित की गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इनमें से कई महिलाओं को गुर्दे संबंधी समस्याएं हुईं, जिसके बाद प्रशासन ने जांच समिति गठित की है। सभी मरीजों को आईसीयू में भर्ती कर निगरानी की जा रही है। जांच समिति में शामिल सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र वर्मा ने बताया कि कुछ महिलाओं को प्रसव के बाद स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं हुईं और वे विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में उपचाराधीन हैं।

उन्होंने कहा, मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच समिति बनाई गई है। सही कारण रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। हमारी प्राथमिकता सभी मरीजों का उचित इलाज और स्वस्थ्य लाभ सुनिश्चित करना है। अस्पताल अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया ने कहा कि मरीजों की लगातार निगरानी की जा रही है। गुर्दा, स्त्री रोग और मेडिसिन विभाग की टीमें मिलकर इलाज कर रही हैं। कुछ मरीजों को डायलिसिस की आवश्यकता पड़ी, जो नियमित रूप से किया जा रहा है।

गुर्दा रोग विभाग के प्रोफेसर जितेंद्र फलोदिया ने बताया कि मरीज विशेषज्ञों देखरेख में हैं और आवश्यक चिकित्सीय सहायता दी जा रही है। इस बीच, मरीजों के परिजनों ने चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि प्रसव के बाद शुरू में स्थिर दिखने के बाद महिलाओं की हालत अचानक बिगड़ गई। एक रिश्तेदार लेखराम ने बताया, प्रसव के बाद वे सामान्य थीं, लेकिन बाद में मूत्र संबंधी और अन्य समस्याएं शुरू हो गईं। डॉक्टर इलाज कर रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि निष्पक्ष जांच हो ताकि असली कारण सामने आए और ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

एक अन्य परिजन जुबैदा ने भी अचानक बिगड़ी हालत पर चिंता व्यक्त की। अधिकारियों ने बताया कि जांच की जा रही है और सटीक कारण रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। फिलहाल सभी मरीज आईसीयू और विशेष वार्डों में उपचाराधीन हैं।

संस्कृति और परंपराओं में आरम्भ से ही श्रेष्ठ रहा है भारत : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से मंगलवार को लोकभवन में आईआईआईटी धारवाड़, कर्नाटक के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत राज्यपाल ने इन विद्यार्थियों का अभिनन्दन करते हुए उनसे संवाद किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत की सीमाएं प्राचीन काल में आज से बहुत अधिक विस्तृत थीं। उन्होंने कहा कि आज का अफ़ग़ानिस्तान, गांधार और कंबोज, पाकिस्तान, बांग्लादेश, और म्यांमार भारत के ही विशाल साम्राज्य का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि विश्व में सर्वाधिक 19 विश्वविद्यालय भारत में थे। सुदूर देशों से लोग भारत में पढ़ने आते थे। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत के लोगों की बौद्धिक क्षमता बहुत अधिक थी। बप्पा रावल के नाम से ही रावल पिंडी स्थान का नामकरण हुआ। उन्होंने कहा कि भारत संस्कृति और परंपराओं में आरम्भ से ही श्रेष्ठ रहा है। इसे फिर से श्रेष्ठ बनाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति की चर्चा करते हुए कहा कि इसमें प्राचीन गौरव की अनुभूति कराते युवाओं को सभी क्षेत्र में अग्रणी करने पर जोर है।

उन्होंने राजस्थान के आदिवासी क्षेत्र की वीरांगना कालीबाई के बारे में भी कर्नाटक के विद्यार्थियों को विस्तार से बताया और कहा कि स्वाधीनता संग्राम में कालीबाई की महती भूमिका रही। उन्होंने कहा कि भारत श्रेष्ठ रहा है, इसका इतिहास प्रौद्योगिकी के विद्यार्थियों को पता होना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा प्रतिभाशाली बने, इसी उद्देश्य से एक भारत श्रेष्ठ भारत के साथ विकसित भारत का संकल्प संजोया गया है। इससे पहले राज्यपाल ने विद्यार्थियों को संवाद में राजस्थान के भूगोल, संस्कृति के बारे में बताते हुए सरदार सरोवर से नर्मदा जल को राजस्थान में लाए जाने, राजस्थान के ऐतिहासिक चितौड़गढ़ दुर्ग, विश्व की सबसे बड़ी पक्की नहर गंग नहर के इतिहास के बारे में रोचक ढंग से जानकारियां दी। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को डीग स्थित श्रीनाथजी मंदिर में सपत्नीक पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद उन्होंने सामान्य श्रद्धालु की तरह 'सात दंडवती' लगाकर ब्रज की पावन धरा पर आराध्य देव गोवर्धन गिरिराज जी महाराज की सप्तकोसीय परिक्रमा प्रारंभ की।

परिक्रमा के दौरान मुख्यमंत्री का जगह-जगह स्थानीय नागरिकों, साधु-संतों और श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर सभी से आत्मीयता के साथ रामा-श्यामा की। पूरा परिक्रमा मार्ग 'बोलो गिरिराज महाराज की जय' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

इससे पहले गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, डीग-कुम्हेर विधायक डॉ. शैलेश सिंह, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत सहित जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारीगणों ने पूंछरी का लौठा स्थित हैलीपेड पर मुख्यमंत्री की अगवानी की।

गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित मातृत्व सेवाएं उपलब्ध कराने में पीएमएसएमए की ऐतिहासिक उपलब्धि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रारम्भ किए गए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में सफलता के 10 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस अवसर पर मंगलवार को प्रदेशभर के राजकीय स्वास्थ्य संस्थानों में गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष पीएमएसएमए सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रसवपूर्व जांच, परामर्श एवं उपचार सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने बताया कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल के रूप में स्थापित हुआ है। इस अभियान के माध्यम से देशभर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की 7 करोड़ 50 लाख से अधिक गर्भवती महिलाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ प्रसवपूर्व स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। इसके सकारात्मक परिणामों से देश एवं प्रदेश में मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

उन्होंने प्रत्येक गर्भवती महिला से गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से अपने निकटतम राजकीय स्वास्थ्य संस्थान में आयोजित पीएमएसएमए सत्र में पंजीयन कराकर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है। नियमित जांच से गर्भावस्था के दौरान संभावित जटिलताओं की समय रहते पहचान कर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित किया जा सकता है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की गाइडलाइन के अनुरूप राज्य में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर तक गर्भवती महिलाओं को विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख में प्रसवपूर्व जांच, आवश्यक परामर्श, रक्त जांच, उच्च जोखिम गर्भावस्था की पहचान तथा उपचार सेवाएं पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रदेश में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान प्रत्येक माह की 9, 18 एवं 27 तारीख को आयोजित किया जाता है।

देवनानी ने पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने चंडीगढ़ प्रवास के दौरान मंगलवार को लोक भवन पंजाब में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने राज्यपाल कटारिया का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा राजस्थान विधानसभा का स्मृति चिह्न भेंट कर अभिवादन किया।

देवनानी ने राज्यपाल कटारिया को विधानसभा भवन के विभिन्न द्वारों के नामकरण की अवधारणा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विधानसभा के प्रमुख द्वारों को कर्तव्य द्वार, शक्ति द्वार, सुशासन द्वार, संकल्प द्वार एवं शौर्य द्वार नाम देकर लोकतंत्र के मूल आदर्शों और जनप्रतिनिधियों के दायित्वों को प्रतीकात्मक रूप से अभिव्यक्त किया गया है। उन्होंने कटारिया को बताया कि विधानसभा भवन के बाहरी द्वारों को राजस्थान के विभिन्न अंचलों बृज, शेखावाटी, वागड़, हाड़ौती, मारवाड़, मेवाड़, मेरवाड़ा एवं ढूंढाड़ के नाम समर्पित कर राज्य की सांस्कृतिक विविधता, लोक परंपराओं और क्षेत्रीय गौरव को लोकतांत्रिक व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

राज्यपाल कटारिया ने स्पीकर देवनानी की इस पहल को लोकतांत्रिक संस्थाओं को जनभावनाओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया तथा कहा कि ऐसे नवाचार लोकतंत्र के प्रति नागरिकों में आत्मीयता और गौरव का भाव विकसित करते हैं।

मणिपुर के सेनापति में अपहृत 14 कुकी लोगों को करीब एक महीने बाद मुक्त किया गया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के सेनापति जिले में सशस्त्र समूहों द्वारा एक महीने पहले अपहृत किए 14 कुकी बंधकों को मंगलवार को मुक्त कर दिया गया। इन 14 लोगों का 13 मई को कांगपोकपी जिले में घात लगा किए हमले में गिरजाघर के तीन नेताओं की हत्या के बाद अपहरण कर लिया था। मणिपुर में नगा समुदाय के शीर्ष निकाय 'यूनाइटेड नगा काउंसिल' (यूएनसी) और सेनापति जिले के अन्य नागरिक समाज संगठनों के प्रयासों से इन्हें मुक्त कराने में मदद मिली। इन सभी को पुलिस और सुरक्षा बलों की मौजूदगी में सेनापति जिला मुख्यालय में सकुशल मुक्त कर दिया गया।'' यूएनसी के अध्यक्ष एनजी लोरहो ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों, गिरजाघर संगठनों तथा शीर्ष जनजातीय संगठन की अपील के बाद बंधकों को मुक्त किया गया।

हमारा मॉडल व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने वाला होना चाहिए : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आत्मनिर्भरता पर जोर दिया और 'रेवड़ी' (मुफ्त के उपहारों की) संस्कृति को हतोत्साहित करते हुए कहा कि हमारा मॉडल ऐसा होना चाहिए, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाये।

योगी आदित्यनाथ लखनऊ में प्रोजेक्ट गंगा (विकास और उन्नति के लिए सरकारी सहायता प्राप्त नेटवर्क) की शुरुआत करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा,''हमारा मॉडल ऐसा होना चाहिए, जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाए। सरकार पर उसकी निर्भरता न्यूनतम होनी चाहिए। 'रेवड़ी संस्कृति' के तहत सबकुछ बांटने के बजाय, अगर हम इसे आत्मनिर्भरता की ओर ले जाएं, तो एक टिकाऊ मॉडल होगा। हमें उस टिकाऊ मॉडल को आगे बढ़ाने के लिए काम करना होगा।'' उन्होंने कहा कि ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी को न्याय पंचायतों तक ले जाना है। उन्होंने कहा, ''ग्राम पंचायतों में ब्रॉडबैंड सुविधा देने का मतलब है ग्राम पंचायतों को 'स्मार्ट विलेज' के रूप में विकसित करना।'' उत्तर प्रदेश राज्य ट्रांसफार्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रोजेक्ट गंगा को शुरुआत में उत्तर प्रदेश के 21 जिलों में लागू किया गया है।'' इस मौके पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इंटरनेट जितना तेज होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी। उन्होंने कहा, ''हम सभी जानते हैं कि ब्रॉडबैंड आज एक आवश्यकता है। इंटरनेट जितना तेज होगा, विकास की गति उतनी ही तेज होगी और दिखाई देगी। लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन दिखाई देंगे।'' उन्होंने कहा, ''2026-27 के बजट में हमने घोषणा की थी कि राज्य सरकार डिजिटल सशक्तिकरण के दृष्टिकोण से 8,000 डिजिटल उद्यमियों को आगे बढ़ाएगी। इसमें से 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी। मुझे लगता है कि प्रोजेक्ट गंगा वह माध्यम बनेगा।''

योगी ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''राज्य में डिजिटल उद्यमिता अभियान को नई गति देने के लिए, 'प्रोजेक्ट गंगा' (ग्रोथ एंड एडवांसमेंट के लिए सरकारी सहायता प्राप्त नेटवर्क) की शुरुआत आज लखनऊ में की गई।''

उप्र के सभी जिलों में होगा अमर नायकों की गाथा का नाट्य मंचन : जयवीर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने युवाओं को सांस्कृतिक रूप से जागरूक करने और उन तक अमर नायकों की गौरव गाथा पहुंचाने के इरादे से सभी 75 जिलों में आनन्द मठ, अटल बिहारी वाजपेयी, वीर सावरकर और महाराजा सुहेलदेव जैसी हस्तियों पर आधारित नाटकों का मंचन करने की कार्ययोजना तैयार की है।

उप्र सरकार 'एक जिला-एक नाट्य शृंखला' के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में भव्य 'राष्ट्रचेतना नाट्य अभियान' शुरू करने जा रही है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भावना से ओत-प्रोत इस अभियान में अखंड भारत के वीरों, ऐतिहासिक नायकों और महान साहित्यकारों की कृतियों पर आधारित नाटकों का मंचन होगा। भारतेंदु नाट्य अकादमी इस अभियान का संचालन करेगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि योजना के तहत 'आनंदमठ' और 'महाराजा सुहेलदेव' आधारित नाटक का मंचन प्रमुख प्रस्तुतियों के तौर पर किया जाएगा। 'बिजली पासी', 'झांसी की रानी', 'काकोरी ट्रेन एक्शन', '1857 की क्रांति', 'शिवाजी महाराज' जैसे वीर नायकों पर आधारित नाटक मंचित होंगे। वहीं 'रश्मिरथी', 'अज्ञेय', 'अटल बिहारी वाजपेयी', 'मुंशी प्रेमचंद कृत बड़े भाई साहब', 'जयशंकर प्रसाद', 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला', 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' और 'वीर सावरकर' जैसी साहित्यिक व राष्ट्रीय चेतना की प्रस्तुतियां भी होंगी।

जाली हस्ताक्षर मामले की जांच के सिलसिले में सीआईडी ममता के कालीघाट स्थित आवास पहुंची

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की एक टीम विधायकों के कथित जाली हस्ताक्षर मामले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को कोलकाता के कालीघाट इलाके में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी के आवास पहुंची, जो पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी है। सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी टीम परिसर के सुरक्षाकर्मियों और पार्टी के एक नेता से संक्षिप्त बहस के बाद उसके अंदर दाखिल हुई और तलाशी शुरू की। सूत्रों ने बताया कि सीआईडी अधिकारी कालीघाट पुलिस थाने की एक टीम और महिला पुलिस कर्मियों के साथ तृणमूल कांग्रेस के 30बी हरीश चटर्जी मार्ग स्थित केंद्रीय कार्यालय पहुंचे। सीआईडी ने इससे पहले विपक्ष के नेता के रूप में शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नामित किए जाने के लिए विस अध्यक्ष को सौंपे गए प्रस्ताव पर तृणमूल कांग्रेस के कुछ विधायकों के कथित तौर पर जाली हस्ताक्षर किए जाने से जुड़े मामले के सिलसिले में जानकारी मांगते हुए पार्टी नेताओं को नोटिस जारी किए थे।

असम भारत की अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ रहा है: यूरोपीय संघ के राजदूत

गुवाहाटी/भाषा। भारत में यूरोपीय संघ (ईयू) के राजदूत हर्वा डेलफिन ने मंगलवार को दावा किया कि असम भारत के भूगोल के छोर पर नहीं है, बल्कि यह पूर्वोत्तर राज्य देश की अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ रहा है। यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के असम के उच्च स्तरीय दौरे के दूसरे दिन यहां एक पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए डेलफिन ने कहा कि यूरोपीय संघ पूर्वोत्तर क्षेत्र, विशेषकर असम के विकास में सहयोग और भागीदारी करता रहा है। उन्होंने कहा, असम भारतीय भूगोल की परिधि पर नहीं, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था के केंद्र की ओर बढ़ रहा है। डेलफिन ने कहा कि असम की जो सबसे अनूठी बात है, वह है यहां की प्राकृतिक संपदा, यहां के लोगों की योग्यता... उनकी प्रतिभा, अतिथि सत्कार और राज्य के विकास के लिए अविश्वसनीय नेतृत्व। यही सब बातें असम को यूरोपीय व्यापार के लिए सबसे पसंदीदा स्थल बनाती हैं।

झारखंड: ऑनलाइन धोखाधड़ी के आरोप में छह लोग गिरफ्तार

जामताड़ा/देवघर/भाषा। झारखंड के जामताड़ा और देवघर जिलों में साइबर अपराध करने के आरोप में छह अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जामताड़ा और देवघर जिलों से तीन-तीन लोगों को पकड़ा गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने पर जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने अपराधियों को पकड़ने के लिए एक टीम गठित की। साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश मंडल ने बताया कि टीम ने सोमवार को करमाटांड क्षेत्र के टेटुलबंधा में छापेमारी की और तीन साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया, जिनकी उम्र 20 वर्ष के आसपास है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी भोले-भाले लोगों को यह कहकर बहलाते थे कि उनका क्रेडिट कार्ड ब्लॉक हो गया है और नया कार्ड जारी करने के लिए बैंक विवरण मांगते थे। उन्होंने बताया कि जालसाज पीड़ितों को एक फाइल डाउनलोड करने के लिए भी कहते थे, जिसके माध्यम से वे देश भर में धोखाधड़ी करने के लिए उनके क्रेडिट कार्ड का विवरण प्राप्त करते थे।

त्रिपुरा सरकार ने राज्य में बाल विवाह के नौ हजार मामलों को रोका : मंत्री टिंकू रॉय

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के समाज कल्याण और सामाजिक शिक्षा मंत्री टिंकू रॉय ने मंगलवार को कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रशासनिक दखल से राज्य भर में बाल विवाह के नौ हजार से ज्यादा मामलों को सफलतापूर्वक रोका गया। आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। उन्होंने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, जिला प्रशासन, पुलिस और ग्राम पंचायतों समेत सभी संबंधित पक्षों की बेहतर तालमेल वाली कोशिशों के कारण हर साल बाल विवाह रोकने के मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा, वर्ष 2025-26 के दौरान, राज्य में सभी संबंधित पक्षों ने मिलकर बाल विवाह के 9,982 मामलों को रोका। हालांकि हमारे पास संपन्न हुए बाल विवाह का सटीक आकंड़ा नहीं है।

राम मंदिर को मिले दान में कथित गड़बड़ी की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराई जाए : भाजपा नेता रजनीश सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पार्टी प्रवक्ता डॉ. रजनीश सिंह ने मंगलवार को राम जन्मभूमि मंदिर को मिले दान में कथित गड़बड़ी की निष्पक्ष, उच्च-स्तरीय केंद्रीय जांच की मांग की।

सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे पत्र में मांग की कि इस मामले की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) या किसी अन्य सक्षम केंद्रीय एजेंसी से कराई जाए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि जांच के नतीजों को सार्वजनिक किया जाए ताकि मंदिर ट्रस्ट में श्रद्धालुओं का भरोसा बना रहे। सिंह ने कहा, ''राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था, भक्ति और विश्वास का केंद्र है। देश-विदेश से श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार दान देते हैं।''

उन्होंने कहा कि अगर दान के पैसे के गलत इस्तेमाल, हेराफेरी या वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह न केवल एक आर्थिक अपराध होगा, बल्कि लाखों राम भक्तों की धार्मिक भावनाओं को भी गहरी चोट पहुंचाएगा।

सिंह ने कहा, ''दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई बहुत ज़रूरी है।''

पश्चिम बंगाल विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में दूसरे राज्यों से पीछे: शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि राज्य विभिन्न केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में दूसरे राज्यों से पीछे है।

उन्होंने कहा कि राजनीति चुनाव के समय की जा सकती है, लेकिन बाकी समय विकास कार्यों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

भाजपा का आरोप है कि 34 वर्षों तक शासन करने वाले वाम मोर्चा और 15 वर्षों तक सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने विकास के बजाय राजनीति को प्राथमिकता दी, जिसके कारण राज्य कई मानकों पर पिछड़ गया, जबकि देश के अन्य हिस्सों ने प्रगति की। एक प्रशासनिक बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य केंद्रीय परियोजनाओं को लागू करने, बुनियादी ढांचे के विकास और लोगों को सुविधाएं उपलब्ध कराने में पीछे रह गया है। उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान राजनीति होगी, लेकिन बाकी समय विकास कार्य होना चाहिए।

पूर्ववर्ती तृणमूल सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में माहौल इस कदर राजनीतिक हो गया था कि थाने पार्टी कार्यालय बन गए थे और पंचायत कार्यालय कट-मनी वसूली केंद्रों में बदल गए थे।

अधिकारी ने कहा कि तृणमूल शासन के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। उन्होंने कहा, हम पश्चिम बंगाल को उस स्थिति से बाहर निकालना चाहते हैं, कानून के शासन को स्थापित करना चाहते हैं, न कि शासक के कानून को।

सोनिया से मिलीं ममता, भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता मजबूत करने पर दिया जोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'इंडिया' गठबंधन की बैठक में विपक्षी एकजुटता मजबूत करने पर जोर देने के एक दिन बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को कांग्रेस की शीर्ष नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि यह मुलाकात सोनिया गांधी के आवास '10 जनपथ' पर हुई।

सूत्रों ने कहा कि दोनों नेता विपक्षी गठबंधन की बैठक के बाद दोनों पार्टियों के बीच आगे की रणनीति और हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल की हार के बाद कई नेताओं के पार्टी से अलग होने के बाद की रणनीति पर चर्चा की। दोनों पार्टियों ने बैठक के ब्यौरे का खुलासा नहीं किया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि बनर्जी ने कांग्रेस की प्रमुख नेता के साथ बातचीत के दौरान विपक्षी एकता पर जोर दिया है और इस बात को रेखांकित किया कि 'इंडिया' गठबंधन को जनता से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न मुद्दों पर भाजपा से मुकाबला करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

विपक्षी गठबंधन की सोमवार को हुई बैठक में ममता बनर्जी ने सभी घटक दलों से अतीत की बातों को भूलकर एकजुट होने का आग्रह किया था।

ओडिशा की सरपंच ने लिया मासिक धर्म से जुड़ीं वर्जनाएं तोड़ने का संकल्प, शुरू किया अभियान

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कटक जिले की हरिअंता ग्राम पंचायत की सरपंच पद्मिनी प्रधान ग्रामीण समुदायों में मासिक धर्म से जुड़ी सामाजिक वर्जनाओं को तोड़ने के लिए एक अभियान चला रही हैं।

प्रधान (45) गांव-गांव जाकर किशोरियों, माताओं और बुजुर्ग महिलाओं से मासिक धर्म स्वच्छता, सैनिटरी पैड के सुरक्षित उपयोग और मासिक धर्म से जुड़ी सुविधाओं वाले स्कूलों के महत्व पर चर्चा कर रही हैं।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, गांवों में आज भी कई लड़कियां मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं जातीं क्योंकि शौचालय गंदे होते हैं, पानी की सुविधा नहीं होती या फिर वे शर्म महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, हम स्कूलों में शौचालयों को बेहतर बनाने और यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहे हैं कि लड़कियों को आवश्यक सुविधाएं मिलें, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।

बिहार के मुख्यमंत्री 'ओछी राजनीति' कर रहे हैं : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से सरकारी आवास खाली कराने तथा उनके परिवार के कई सदस्यों की सुरक्षा में कटौती करने को लेकर मंगलवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 'ओछी राजनीति' कर रहे हैं।

यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार पर भ्रष्ट अधिकारियों और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और दावा किया कि राज्य में कानून व्यवस्था ''पूरी तरह से ध्वस्त'' हो गई है।

तेजस्वी यादव ने पटना हवाई अड्डे पर संवाददाताओं द्वारा उनकी मां राबड़ी देवी के आवास को लेकर हालिया घटनाक्रम के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, ''मैं आप सबको बता दूं कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि 'चीप मंत्री' हैं। मकान और हमारी सुरक्षा को लेकर उनकी बयानबाजी सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की सस्ती कोशिश है। उनकी सरकार भ्रष्टाचार के मामलों से घिरी हुई है और केवल खोखले दावों पर चल रही है।'' उन्होंने सवाल किया, ''सरकार राबड़ी देवी को आवंटित आवास को किसी मंत्री को देने पर इतना जोर क्यों दे रही है? उन्हें यह बंगला पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते आवंटित किया गया था। क्या उनका वह दर्जा बदल सकता है? और मुझे अलग से आवास आवंटित किए जाने पर इतना हंगामा क्यों किया जा रहा है? मैं नेता प्रतिपक्ष हूं। क्या सरकार मुझ पर कोई एहसान कर रही है?''

तेजस्वी यादव ने मीडिया के एक धड़े में आई उन खबरों पर कोई टिप्पणी नहीं की, जिनमें कहा गया है कि राबड़ी देवी ने 10, सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली करने पर सहमति दे दी है और वह अगले सप्ताह तक परिवार के निजी मकान में स्थानांतरित हो सकती हैं। उन्होंने हालांकि, राबड़ी देवी के आवास पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को कथित तौर पर हटाए जाने के सवाल पर कहा, ''हम अपनी सुरक्षा के लिए सरकार पर निर्भर नहीं हैं। मुझे अपने पार्टी कार्यकर्ताओं की निष्ठा और साहस पर गर्व है, जो उनकी सुरक्षा के लिए वहां डटे हुए हैं।' तेजस्वी ने राजग सरकार पर आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा में कटौती तथा राबड़ी देवी को सरकारी आवास खाली कराने का प्रयास ''ओछी राजनीति'' का हिस्सा है।

बंगाल: तृणमूल नेता सब्यसाची दत्ता जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार, लोगों ने गोबर और अंडे फेंके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता सब्यसाची दत्ता को जबरन वसूली और आपराधिक धमकी के आरोप में मंगलवार तड़के पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से गिरफ्तार किया गया और आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, बिधाननगर नगर निगम (बीएमसी) के पूर्व महापौर सब्यसाची को एक व्यापारी की शिकायत के आधार पर रायगाची स्थित उनके आवास से पकड़ा गया।

अधिकारी ने बताया कि शिकायत में कहा गया है कि दत्ता ने 2018 में व्यापारी से एक करोड़ से ज्यादा रुपए मांगे थे। हालांकि दत्ता ने खुद पर लगे आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि यदि यह साबित हो जाए कि उन्होंने एक रुपया भी लिया है तो वह फांसी पर लटकने के लिए तैयार हैं।

दत्ता को अदालत लाते और वहां से ले जाते समय लोगों ने उन्हें चोर कहकर पुकारा तथा उनपर गोबर, टमाटर एवं अंडे फेंके। बिधाननगर उपमंडलीय अदालत ने दत्ता को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

भारत ए ने श्रीलंका ए को आठ रन से हराया, गायकवाड़ का शतक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। भारत ए के लिए वनडे क्रिकेट में पदार्पण करते हुए वैभव सूर्यवंशी 14 रन ही बना सके लेकिन रुतुराज गायकवाड़ के शतक की मदद से भारतीय टीम ने मंगलवार को श्रीलंका ए को आठ रन से हराया ।

श्रीलंका ए जीत के लिए 278 रन के लक्ष्य की ओर बढती दिख रही थी और कप्तान साहान अराछिगे ने 72 गेंद में 74 रन बनाये लेकिन मेजबान टीम ने आखिरी चार विकेट दस गेंद के भीतर गंवा दिए जिससे भारत को यह करीबी जीत मिली । इनमें से तीन विकेट आखिरी ओवर में गिरे जिसमें तेज गेंदबाज अरशद खान ने दो विकेट लिए जबकि एक बल्लेबाज रन आउट हुआ। इससे पहले गायकवाड़ ने 101 रन बनाकर भारत ए को छह विकेट पर 277 रन तक पहुंचाया । स्पिनर आयुष बडोनी और अनुकूल रॉय ने दो दो विकेट लिए । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके साहान टीम को जीत के करीब ले आये थे लेकिन अंशुल कम्बोज की गेंद पर बोल्ड हो गए । पारी के आखिर में लगातार विकेट गंवाकर श्रीलंका ए ने तिलक वर्मा की कप्तानी वाली भारत ए टीम को जीत तोहफे में दे दी।

भारत ए को अब 11 जून को अफगानिस्तान ए से खेलना है । यह मैच निरोशन डिकवेला (45 गेंद में 47 रन) की वापसी का भी था जिन्होंने श्रीलंका के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अविष्का फर्नांडो (59 गेंद में 45) के साथ पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े । दोनों बडोनी को स्लॉग स्वीप लगाने के चक्का में कैच देकर आउट हुए । इससे पहले भारत ए ने पांच ओवर में 16 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे । सूर्यवंशी और प्रभसिमरन सिंह जल्दी आउट हो गए । उपकप्तान गायकवाड़ ने हालांकि 112 गेंद में अपना 21वां लिस्ट ए शतक पूरा किया । तिलक ने 97 गेंद में 60 रन बनाकर गायकवाड़ के साथ चौथे विकेट के लिए 150 रन जोड़े । बडोनी ने 18 गेंद में 24 और सूर्यांश शेडगे ने 14 गेंद में नाबाद 26 रन बनाये । प्रियांश आर्य ने 32 गेंद में 32 रन की पारी खेली ।

सुविचार

वक्त की मार से कभी परेशान मत होना, याद रखना कुम्हार मिट्टी को कूटता है सिर्फ उसे सुंदर आकार देने के लिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टीएफआर : दावे, चिंता और सच्चाई

जब से अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने भारत की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) के बारे में टिप्पणी की है, कई यूट्यूबर और टीवी चैनल ऐसा माहौल बनाने में जुट गए हैं कि देश में जनसंख्या वृद्धि रुक गई है, भविष्य में सिर्फ बुजुर्ग दिखाई देंगे और युवा तो कहीं ढूंढने पर भी नहीं मिलेंगे! जनसंख्या जैसे विषय पर पर्याप्त अध्ययन के बाद ही कोई राय देनी चाहिए। पिछले पांच दशकों की बात करें तो यह सच है कि भारत में टीएफआर में गिरावट आई है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि जनसंख्या वृद्धि पर पूर्ण विराम लग गया है और भविष्य में कामकाज करने के लिए युवा ही नहीं बचेंगे। जनसंख्या आज भी बढ़ रही है, बस उसकी रफ्तार कुछ कम हो गई है। देश में लाखों युवा बेरोजगार बैठे हैं। वे बीस हजार रुपए की नौकरी के लिए दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों को अचानक इस बात की चिंता सताने लगी है कि भविष्य में कामकाजी लोग नहीं रहेंगे! जो अभी काम ढूंढ़ रहे हैं, उनका क्या? पश्चिमी देशों के कुछ उद्यमी अलग ही दुनिया में रहते हैं। वे अपने वातानुकूलित कक्ष में बैठकर अंग्रेजी में जो कुछ लिख देते हैं, दुनिया में उसे अंतिम सत्य मान लिया जाता है। वे खुद को घनघोर बुद्धिजीवी साबित करने के लिए नए-नए शिगूफे छोड़ते रहते हैं। वे कहते हैं कि 'भविष्य में पृथ्वी जैसा कोई दूसरा ग्रह खोज लिया गया तो उस पर बसाने के लिए लोग कम पड़ जाएंगे ... हम इतने लोग कहां से लाएंगे?' कोई इनसे पूछे, 'पृथ्वी जैसा दूसरा ग्रह खोज भी लिया तो क्या आम आदमी वहां जा पाएगा?' ऐसे अभियानों पर अरबों डॉलर खर्च होते हैं। क्या कोई पश्चिमी उद्योगपति अपनी जेब से यह रकम देगा? कभी नहीं; हमारे लिए यह पृथ्वी ही संसार है। अंतरिक्ष अनुसंधान करना अच्छी बात है, लेकिन हमें रहना पृथ्वी पर ही है। पृथ्वीवासियों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। क्या आज ऐसा हो रहा है?

दरअसल पश्चिमी उद्योगपति जनसंख्या को लेकर ऐसे राग इसलिए अलापते रहते हैं, ताकि उन्हें सस्ते मजदूर मिलें, तैयार ग्राहक मिलें, बहुत बड़ा बाजार मिले। आज पढ़ाई, इलाज, आवास, खानपान, परिवहन सबकुछ इतना महंगा हो गया है कि लोग एक बच्चे का पालन-पोषण बड़ी मुश्किल से कर पाते हैं। भारत में ऐसे युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, जो विवाह नहीं करना चाहते। अगर करते हैं तो संतान को जन्म नहीं देना चाहते, क्योंकि उन्होंने पढ़ाई और नौकरी में जो कुछ बर्दाश्त किया है, उसे अगली पीढ़ी पर नहीं डालना चाहते। एलन मस्क की तरह जिन कथित बुद्धिजीवियों को भारत के आम आदमी के जीवन से जुड़ीं समस्याओं की कोई जानकारी नहीं होती और वे टीएफआर बढ़ाने की बातें करते रहते हैं, उन्हें गर्मी के मौसम में कम से कम एक दिन ट्रेन के जनरल डिब्बे में सफर करना चाहिए। उन्हें दो दिन किसी सरकारी अस्पताल में भर्ती होकर अपने अनुभव लिखने चाहिएं। उन्हें तीन दिन दफ्तरों में नौकरी के लिए प्रार्थना पत्र देने चाहिएं। चौथे दिन वे सारे उपदेश भूल जाएंगे। आज भारत की जनसंख्या 140 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। जिस दिन यह 170 करोड़ हो जाएगी, तब क्या स्थिति होगी? इतने लोगों को रोजगार कहां से देंगे? क्या हवा सांस लेने लायक रहेगी? क्या पेयजल सबको सुलभ हो पाएगा? क्या सरकारी अस्पतालों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं मिल पाएंगी? आज का युवा जनसंख्या विस्फोट की भारी कीमत चुका रहा है। जब लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, तब ज्यादा संतानोत्पत्ति की अपील करना कहां की अक्लमंदी है? हां, इस बात पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि आज भी कई लोग आधा दर्जन से लेकर डेढ़ दर्जन तक बच्चे पैदा कर रहे हैं। उन्हें न बच्चों की शिक्षा से मतलब है, न देश के संसाधनों की कोई परवाह है। ऐसे लोगों के लिए उचित कानून बनाकर उन्हें कठोर दंड देना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

धरती माता पिता भगवान बिरसा मुंडा के शहीदी दिवस पर मैं उन्हें नमन करता हूँ। उन्होंने जल, जंगल और ज़मीन की रक्षा के लिए विदेशी शासन के खिलाफ़ अदम्य साहस के साथ लड़ाई लड़ी।मातृभूमि के लिए सब कुछ कुर्बान करने की उनकी गाथा देश की हर पीढ़ी में देशभक्ति की प्रेरणा देती रहेगी।

-नरेन्द्र मोदी

जयपुर के खो नागोरियान इलाके में हुए हादसे में जान जाने की खबर दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से काम करने और प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने के निर्देश दिए गए हैं।

-भजनलाल शर्मा

जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र स्थित पटाखा फैक्ट्री में लगी भीषण आग की घटना अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी दिवंगतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ हैं।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

हार के बाद की जीत

स्टीव जॉब्स का जीवन शुरुआत से ही संघर्षों की एक लंबी दास्तान था। इस घोर अभाव के बीच उन्होंने अपने दोस्त के गैराज से 'एप्पल' कंपनी की शुरुआत की। मेहनत और विजन के बल पर एप्पल दो अरब डॉलर की कंपनी बन गई, जिसमें चार हजार कर्मचारी काम करते थे। लेकिन तभी कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के साथ वैचारिक मतभेद के कारण, उन्हें साल 1985 में, कंपनी से निकाल दिया गया। वे कई महीनों तक गहरे अवसाद में रहे। लेकिन उनके भीतर का सृजक अभी मरा नहीं था। उन्होंने अपनी हार को स्वीकार किया और 'नेक्स्ट' और 'पिक्सर' नाम की नई कंपनियां शुरू कीं। पिक्सर ने दुनिया की पहली कंप्यूटर एनिमेटेड फिल्म 'टॉय स्टोरी' बनाई और इतिहास रच दिया। इसी बीच, स्टीव जॉब्स के बिना एप्पल कंपनी दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गई। अंततः 1997 में एप्पल को जॉब्स की कंपनी 'नेक्स्ट' को खरीदना पड़ा और स्टीव जॉब्स की एप्पल में दोबारा वापसी हुई। वापस आते ही उन्होंने आईमैक, आईपॉड और आईफोन जैसे क्रांतिकारी प्रोडक्ट पेश किए। जॉब्स ने बाद में कहा था, 'एप्पल से निकाला जाना मेरी जिंदगी की सबसे कड़वी दवा थी, लेकिन मरीज को इसकी सख्त जरूरत थी।

सामयिक

भारत रूस संबंधों की अहमियत को पुतिन ने फिर समझा दिया

अखिलेश आर्येन्दु

मोबाइल : 7065315677

पुतिन चाहते हैं कि भारत को किसी भी क्षेत्र में किसी भी तरह का अमेरिकी दबाव न झेलना पड़े। इसलिए वे भारत के हर क्षेत्र को सुगम बनाकर आपसी रिश्तों को और भी मजबूत बनाने की कोशिश में लगे हैं, जिसमें रूस का ही हित नहीं छिपा है, बल्कि इसमें भारत का भी उतना ही हित है। इसलिए मोदी सरकार रूस से रिश्तों की अहमियत को लगातार मजबूत और सुदृढ़ बनाने में लगी है।

भारत दुनिया की अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं वाला देश है। पीएम मोदी के नेतृत्व में मिली यह सफलता कड़ी मेहनत का परिणाम है। रूस भारत को अपना विश्वासनीय साझेदार मानता है। सेंट पीटर्सबर्ग में भारत और रूस के संबंधों और संबंधों की अहमियत के बारे में पूछे गए मीडिया के तमाम सवालों का जवाब रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने देकर अमेरिका को साफ संदेश ही नहीं दिया, बल्कि रूस-भारत संबंधों को कमजोर न करने की सलाह भी दे डाली। गौर करने वाली बात यह है कि पुतिन ने भारत-रूस संबंधों की अहमियत और आपसी विश्वासनीयता को उन्होंने अटूट और समझदारी से बधा हुआ कहा। उन्होंने यह भी कहा,-भारत पर अमेरिकी दबाव की कोई कोशिश सफल नहीं होगी। इसकी वजह पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी की दबाव-मुक्त बेहतर विदेश नीति से चलना बताया। गौर तलब है पुतिन दूसरी बार 12-13 सितंबर को ब्रिक्स देशों की बैठक में शामिल होने के लिए भारत आ रहे हैं। उनका यह बयान अब और भी महत्वपूर्ण इसलिए माना जा रहा है क्योंकि जल्द ही भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौता होने जा रहा है। और पुतिन द्वारा भारत की आर्थिक संमृद्धि को लेकर की गई सराहना भी कई नजरिए से अमेरिका, चीन और पाकिस्तान को यह संदेश देना जैसा भी है कि भारत-रूस के रिश्तों को किसी देश विशेष के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। गौर करने वाली बात है कि चीन, रूस और पाकिस्तान के रिश्तें पहले से बेहतर हुए हैं और यह चर्चा होनो लगी है कि रूस क्या भारत से ज्यादा अहमियत चीन को देने लगा है, क्यों कि अमेरिका-ईरान संघर्ष के दोरान चीन और रूस ने ईरान का खुलकर साथ दिया, जिसमें पाकिस्तान भी पर्दे के पीछे शामिल था।

पुतिन ने भारत और रूस के रिश्तों को विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी करार दिया और यह कहा कि भारत के रूस से रिश्ते हाल के वर्षों में नहीं विकसित हुए हैं, बल्कि भारत की आजादी 1947 में मिलने के बाद (तत्कालीन) सोवियत संघ और भारत के बीच राजनयिक संबंध स्थापित होने के बाद से ही रिश्ते निरंतर बेहतर होते चले गए। तब से रूस और भारत एक विश्वासनीय और रणनीतिक तौर पर एक-दूसरे से जुड़े हैं और आज भी हम दोनों के अटूट संबंध सहयोगात्मकता और रणनीतितात्मकता के साथ बने हुए हैं। कौन नहीं जानता कि भारत की आजादी के बाद से ही रूस ने हर मोके पर भारत का एक सच्चे विश्वासनीय मित्र की तरह साथ दिया। तब से लेकर आज तक रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष और विज्ञान, व्यापारिक, सांस्कृतिक और साहित्य के क्षेत्र में बेजोड़ रिश्ते हैं। एनडीए शासन के बारह वर्षों में दोनों देशों के संबंध लगातार मजबूत और विश्वासनीय हुए हैं। मोदी की नेतृत्व में भारत हर क्षेत्र में आज जिस ऊंचाई पर पहुंचा है उसकी सराहना महज रूस ही नहीं, बल्कि सभी विकसित देश कर रहे हैं। यही वजह है कि पुतिन मोदी की नेतृत्व क्षमता के कायल हैं और प्रशंसक भी हैं। जाहिर सी बात है पिछले बारह सालों में देश ने तेज रफ्तार से विकास और प्रगति की है। इस प्रगति से हमारा सच्चा दोस्त रूस के लिए भी अतीव प्रसन्नता का विषय है। वहीं पर तमाम वे देश जो भारत की प्रगति को पचा नहीं पा रहे है, वे मोदी की तारीफ सुन, कुढ़ते नज़र आते हैं।

अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुलकर रूस और इसराइल जिस तरह से भारत का साथ और समर्थन करते हैं, वह भी रूस भारत की पक्की व विश्वासनीय दोस्ती का ही प्रमाण है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और ब्रिक्स सहित तमाम वैश्विक मंचों पर भारत की संप्रभुता और कश्मीर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत का मजबूत राजनयिक समर्थन रूस करता रहा है। इसी तरह दोनों देशों ने द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने और परिवहन सम्पर्क को मजबूत करने के लिए इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर (आईएनएसटीएस) और व्लादिवोस्तोक-चेन्नई समुद्री मार्ग जैसे पहलों पर काम किया है, यह दोनों देशों के मजबूत संबंधों से ही संभव हो पाया। गौर तलब है भारत रूस मैत्री शीत युद्ध के समय भी बेहद करीबी, राजनयिक, रणनीतिक, सैनिक और आर्थिक रूप से एक-दूसरे से दृढ़ता से बंधे रहे हैं। जिसका फायदा भारत और रूस दोनों को मिलता रहा है। पुतिन द्वारा भारत-रूस की दोस्ती पर हाल में दिया गया वक्तव्य दशकों से जारी ऐतिहासिक दोस्ती के परिपेक्ष्य में देखा जाना चाहिए।

दरअसल, भारत-रूस संबंधों की गर्माहट को कम करने के लिए अमेरिका वर्षों से लगा हुआ है। अमेरिका चाहता है कि भारत के रिश्ते रूस से जिन बिंदुओं या आधारों पर टिका हुआ है किसी तरह उन आधारों को कमजोर किया जाए। मिसाल के तौर पर जब अमेरिका ने रूस से तेल न खरीदने के लिए भारत पर दबाव बनाया, लेकिन भारत तब भी रूस से तेल लेता रहा जिसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत से आयातित वस्तुओ पर 25 प्रतिशत तक टैरिफ लगा दिए थे, बाद में इरान-अमेरिका संघर्ष के वक्त इसे हटाया गया और रूस से ज्यादा तेल खरीदने की सलाह दी गई। 2026 में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता होते-होते नहीं हो सका, इसकी वजह अमेरिका की हटधर्मिता थी कि भारत अमेरिका से जो वस्तु आयात करे उस पर नाम मात्र का शुल्क लगाए, लेकिन अमेरिका 20 से 30 प्रतिशत तक लगा सकता है, इसे भारत ने अस्वीकार कर दिया था। अब फिर भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक समझौता होने की उम्मीद बड़ गई है, ऐसे में रूस चाहता है कि भारत के ऊपर अमेरिकी दबाव कम से कम हो। पत्रकार के पूछे जाने पर कि अमेरिका या दूसरे पश्चिमी देशों से भारत के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं, आप इसे किस तरह देखते हैं तो पुतिन ने कहा-अमेरिका या पश्चिमी देशों के साथ भारत क्या रिश्ते रखता है ,वह भारत तय करेगा, लेकिन उससे हमारे और भारत के रिश्ते में किसी तरह की मजबूती में कमी नहीं आएगी। गौर करने वाली बात यह है कि पुतिन भारत को यह याद दिलाना नहीं भूले कि वे ही हैं जब भारत के साथ हर हालात में साथ खड़े रहे और आगे भी खड़े रहेंगे, यानी भारत दुनिया के दूसरे देशों के साथ अपने हितों को मजबूत करने के मद्देनजर संबंधों को विस्तार देगा, जो उसके लिए जरूरी होगा। यह भारत की विदेश नीति का मामला है, इससे रूस के संबंधों की दिशा-दशा में कोई बदलाव नहीं आएगा। पुतिन का यह संतुलित और बेहद सधा बयान विश्व मीडिया में चर्चा का विषय बना। विदेश मामलों के राजनीति के जानकार अपने नजरिए से इसे तौल रहे हैं। कोई इसे पुतिन और मोदी की दोस्ती की गहराई का परिणाम बता रहा है तो अनेक ऐसे भी राजनीति (रणनीति) के जानकार हैं जो अमेरिका पर भारत पर डाले जा रहे दबाव की एक विश्वसानीय दोस्त की प्रतिक्रिया बता रहा है। हम जिस भी नजरिए से देखें पुतिन का यह बयान भारत को सावधान और दोनों देशों की मित्रता की गहराई का सबब भी है। पुतिन चाहते हैं भारत चाहे जिस देश से अपने संबंध विकसित करे, लेकिन रूस-भारत की दोस्ती पर किसी भी तरह की आंच नहीं आनी चाहिए। इससे भारत का ही भला नहीं होगा, बल्कि रूस का भी होगा। गौर तलब है भारत जिस तरह से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है पुतिन नहीं चाहते कि भारत से उनका व्यापार जो अभी 67 अरब डॉलर का है उसमें कमी आए। रूस की कोशिश तो यह है कि भारत रूस का वार्षिक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचे। यही नहीं, सैन्य सहयोग को और भी मजबूती देने की कोशिश में रूस ने पिछले दिनों सुखोई-57 फाइटर जेट तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव भी दिया है। इन सभी कवायदों को देखते हुए भारत-रूस के आपसी संबंध भविष्य में और भी मजबूत और दोनों देशों के रणनीति और सैन्य अभियानों को सफल बनाने में मददगार और सुविधाजनक साबित होंगे।

पुतिन चाहते हैं कि भारत को किसी भी क्षेत्र में किसी भी तरह का अमेरिकी दबाव न झेलना पड़े। इसलिए वे भारत के हर क्षेत्र को सुगम बनाकर आपसी रिश्तों को और भी मजबूत बनाने की कोशिश में लगे हैं, जिसमें रूस का ही हित नहीं छिपा है, बल्कि इसमें भारत का भी उतना ही हित है। इसलिए मोदी सरकार रूस से रिश्तों की अहमियत को लगातार मजबूत और सुदृढ़ बनाने में लगी है। रूस-भारत दोस्ती की मिसाल दुनिया के लिए हैरान करने वाली बनी रहे, यह भारत के विकास और प्रगति में चार चांद लगाने वाले हैं और रहेंगे, हमें इस पर यकीन न करने का कोई कारण नहीं दिखाई देता।

नजरिया

नेत्रदान : अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है।

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है।

भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है।

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती।

सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है।

नेत्रदान मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यह वह दान है जो किसी अंधे व्यक्ति के जीवन में केवल प्रकाश ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सम्मान, अवसर और नई आशा भी लाता है। यह विज्ञान, करुणा और आध्यात्मिकता का अद्भुत संगम है। विश्व नेत्रदान दिवस हमें यह संदेश देता है कि मनुष्य का वास्तविक मूल्य उसके संचित धन में नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए लोककल्याण में है। यदि हमारी मृत्यु के बाद हमारी आंखें किसी की दुनिया रोशन कर सकती हैं, तो इससे बड़ा पुण्य, इससे बड़ी सेवा और इससे बड़ी मानवता की साधना शायद कोई नहीं हो सकती। आइए, हम संकल्प लें कि जीवन की अंतिम यात्रा के बाद भी हमारी आंखें किसी और के सपनों को देखने का माध्यम बनें। हमारा नेत्रदान किसी अंधेरी जिंदगी में सूर्योदय बनकर उभरे, यही विश्व नेत्रदान दिवस' की सार्थकता है, यही सच्चा धर्म है और यही मानवता का उज्ज्वल भविष्य है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पासपोर्ट लेते श्रद्धालु

पांचवें सिख गुरु, गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस के अवसर पर पाकिस्तान जाने से पहले मंगलवार को अमृतसर के स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेम्पल) परिसर में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अधिकारियों से अपने पासपोर्ट लेते सिख श्रद्धालु।

भारतीय ऑनलाइन खरीदार 'डार्क पैटर्न' के कारण सालाना 28,000 करोड़ रुपए का उठा रहे नुकसानः रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ऑनलाइन बाजारों में इस्तेमाल किए जा रहे भ्रामक 'इंटरफेस डिजाइन' (डार्क पैटर्न) के कारण उपभोक्ताओं को हर साल अनुमानित 25,000 करोड़ से 28,000 करोड़ रुपए तक का नुकसान हो रहा है। एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है।

बाजार पर शोध करने वाली फर्म 'डेटम इंटेलिजेंस' ने मंगलवार को जारी 'डार्क पैटर्न इन इंडिया' रिपोर्ट में कहा है कि देश के 30.4 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों में से 88 प्रतिशत उपभोक्ता छिपे हुए शुल्क, जबरन अतिरिक्त सेवाओं, झूठी तात्कालिकता और सब्सक्रिप्शन के जाल जैसे तरीकों के कारण हर महीने लगभग 78 से 87 रुपए तक गंवा रहे हैं।

'डार्क पैटर्न' एक ऐसा जाल है, जो ऑनलाइन मंचों में उपयोगकर्ताओं को खरीदारी करने के लिए भ्रमित या मजबूर करने के मकसद से तैयार किया जाता है। इसमें छिपे शुल्क समेत अन्य लुभावने अवसर दिए जाते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, मौजूदा नियामकीय हस्तक्षेपों को अब तक लाखों उपभोक्ताओं को प्रभावित करने वाली भ्रामक डिजिटल व्यवहार पर अंकुश लगाने में सीमित रूप से ही सफलता मिल सकी है।

सर्वेक्षण के अनुसार, अब 63 प्रतिशत ऑनलाइन भुगतान उपयोगकर्ता छिपे हुए शुल्क का सामना कर रहे हैं, जिसमें खरीदारी के अंतिम चरण में अतिरिक्त शुल्क जोड़े जाते हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2024 में 52 प्रतिशत था।

इसके अलावा, अध्ययन में शामिल 73 प्रतिशत मंच पर फोर्स्ड एक्शन मैकेनिज्म (जबरन कार्रवाई) पाए गए, जिनमें उपयोगकर्ताओं को ऐसे कदम उठाने के लिए मजबूर किया जाता है।

प्रदर्शन

तृणमूल कांग्रेस के नेता और बिधाननगर नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष सब्यसाची दत्ता की बिधाननगर उत्तर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तारी के विरोध में मंगलवार को साल्ट लेक, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता।

उत्तर कोरिया के नेता किम के साथ महत्वपूर्ण सहमति बनी : चिनफिंग

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को उत्तर कोरिया की अपनी यात्रा संपन्न की और कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए किम जोंग उन के साथ एक महत्वपूर्ण सहमति पर पहुंचे हैं।

उत्तर कोरिया, चीन का रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पड़ोसी देश है। सोमवार को प्योंगयांग में भव्य स्वागत किए जाने के बाद, शी ने उत्तर कोरिया के नेता किम को चीन के अटूट समर्थन का आश्वासन दिया, जिन्होंने हाल के वर्षों में रूस के साथ संबंधों को प्रगाढ़ किया है, जिससे बीजिंग काफी असहज हो गया है। शी की दो दिवसीय यह यात्रा 2019 के बाद उत्तर कोरिया की उनकी पहली यात्रा थी और इस वर्ष शी चिनफिंग की यह पहली विदेश यात्रा भी है।

दोनों रणनीतिक सहयोगियों के बीच किसी ठोस समझौते की कोई घोषणा नहीं हुई और चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर किसी भी वार्ता से संबंधित सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया।

उत्तर कोरिया, जिसने 2006 से कई परमाणु परीक्षण किए हैं, सार्वजनिक रूप से खुद को परमाणु-आयुध से लैस देश बताता है, लेकिन बीजिंग कोरियाई प्रायद्वीप पर परमाणु हथियारों के विरोध में है और परमाणु निरस्त्रीकरण का समर्थन करता है। शी की यात्रा से पहले, किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने सरकारी समाचार एजेंसी 'केसीएनए' के माध्यम से कहा था कि उत्तर कोरिया कभी भी खुद के परमाणु-सशस्त्र होने का दर्जा नहीं छोड़ेगा और अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार करना जारी रखेगा। उन्होंने उन खबरों को भी खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि शी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच, अमेरिकी नेता की हालिया बीजिंग यात्रा के दौरान हुई बातचीत में प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण का मुद्दा उठा था। उत्तर कोरिया की शी की यात्रा के परिणामों पर पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने संकेत दिया कि कोरियाई प्रायद्वीप के परमाणु निरस्त्रीकरण पर बीजिंग के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है।

परमाणु निरस्त्रीकरण से संबंधित एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, चीन कोरियाई प्रायद्वीप के मुद्दे पर अपनी स्थिति और नीति में निरंतरता और स्थिरता बनाए हुए है। उन्होंने कहा, चीन कूटनीति, कानून प्रवर्तन, सैन्य और अन्य क्षेत्रों में उत्तर कोरिया के साथ आदान-प्रदान बढ़ाने के लिए तैयार है।

ऑपरेशन ब्लू स्टार 'काला दिन', सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोग 'शहीद' : भाजपा नेता गिरीश महाजन

मुंबई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को काला दिन करार देकर और सैन्य कार्रवाई में मारे गए लोगों को शहीद बताकर विवाद खड़ा कर दिया है।

महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की तुलना स्वर्ण मंदिर पर अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के आक्रमण से करते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की आलोचना भी की। कांग्रेस ने महाजन की टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा पर पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले खालिस्तान के मुद्दे को हवा देने का आरोप लगाया। वहीं, शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-उबाठा) ने महाजन को मंत्री पद से हटाने की मांग की।

महाजन पिछले शनिवार को अमृतसर के दमदमी टकसाल मुख्यालय में आयोजित 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की बरसी में हिस्सा लेने वाले किसी राज्य सरकार के पहले प्रतिनिधि बने। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमारे लिए 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' एक काला दिन है। इसमें हमारे भाई-बहन मारे गए। महाजन ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' को सिख समुदाय के पवित्र स्थल पर सैन्य हमला करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने सेना को जबरदस्ती पंजाब और पवित्र स्थल (स्वर्ण मंदिर) के अंदर भेजा था। महाजन ने कहा, यह हमारे पवित्र स्थल पर एक सैन्य हमला था। इंदिराजी ने जबरदस्ती उन्हें (सेना को) पंजाब और हमारे पवित्र स्थल पर भेजा।

आशीर्वाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को लखनऊ में आयोजित नौ दिवसीय 'श्री राम कथा महोत्सव' के समापन कार्यक्रम के दौरान पद्म विभूषण जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी से आशीर्वाद लेते हुए।

डेली सोप में काम करना आसान नहीं, लेकिन यही संघर्ष मुझे मजबूत बनाता है : नेहा हरसोरा

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो में हर रोज नए एपिसोड लाने के लिए कलाकारों और पूरी टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार घंटों शूटिंग करनी पड़ती है, कम समय में डायलॉग्स याद करने पड़ते हैं और अलग-अलग इमोशन्स वाले सीन्स को तुरंत निभाना पड़ता है। ऐसे माहौल में काम करना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इस पर बात करते हुए टीवी अभिनेत्री नेहा हरसोरा ने डेली सोप में काम करने के अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह सफर आसान नहीं है, लेकिन यही मुश्किलें उनके काम को खास बनाती हैं। नेहा हरसोरा ने कहा, डेली सोप में काम करना बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। यह काम कई बार शारीरिक और मानसिक रूप से थका देने वाला होता है। जिंदगी में जो चीजें आसानी से मिल जाती हैं, उनमें वह संतुष्टि नहीं होती, जो कड़ी मेहनत के बाद मिलने वाली सफलता में होती है। अभिनय का पेशा कभी भी आसान नहीं रहा है और शायद यही वजह है कि यह मुझे इतना पसंद है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए नेहा ने कहा, कई बार शूटिंग के दौरान कलाकारों को सीन शुरू होने से कुछ मिनट पहले ही लाइन्स दिए जाते हैं। ऐसे में उन्हें तुरंत याद करना और बिना गलती के कैमरे के सामने प्रस्तुत भी करना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि एक सीन में कलाकार को रोना होता है और कुछ ही देर बाद दूसरे सीन में हंसना पड़ता है। इतनी जल्दी इमोशन्स बदलना आसान नहीं होता, लेकिन डेली सोप का हिस्सा होने के कारण कलाकारों को यह सब करना पड़ता है। नेहा ने कहा, डेली सोप का शूटिंग शेड्यूल इतना व्यस्त होता है कि कलाकार अपने घर से ज्यादा समय सेट पर बिताते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक शूटिंग चलती रहती है। कई बार परिवार के साथ समय बिताने का मौका भी बहुत कम मिलता है। जब किसी ने अभिनेता बनने का सपना चुना है, तो उसे इस तरह की चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना चाहिए।

कपूर खानदान के सबसे बड़े 'कंजूस' हैं रणधीर कपूर, करिश्मा कपूर ने सुनाया लंदन शॉपिंग का मजेदार किस्सा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर अपने पिता रणधीर कपूर के साथ कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' में पहुंचीं। बातचीत के दौरान उन्होंने परिवार को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए। दरअसल, शो के दौरान होस्ट कपिल शर्मा ने करिश्मा कपूर से सवाल किया कि कपूर परिवार में सबसे बड़ा कंजूस कौन है। इस पर उन्होंने सीधे रणधीर कपूर की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह ही परिवार के 'कंजूस कपूर' हैं। करिश्मा ने अपने पिता के बारे में बताते हुए कहा, ''वह पैसे खर्च करने के मामले में बेहद सावधान रहते हैं। वह हर खर्च को सोच-समझकर करते हैं और बिना जरूरत किसी चीज पर पैसा खर्च करना पसंद नहीं करते।'' बेटी की बात सुनने के बाद रणधीर कपूर ने भी अपनी सफाई पेश की। उन्होंने कहा, ''मेरी सोच केवल 'वैल्यू फॉर मनी' की है। मेरा मानना है कि किसी भी चीज पर तभी पैसा खर्च करना चाहिए जब वह जरूरी हो।''

इसके बाद करिश्मा ने अपने पिता की शॉपिंग से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। उन्होंने बताया, जब हम सभी छुट्टियां मनाने के लिए लंदन जाते थे, तो सभी लोग शॉपिंग को लेकर काफी उत्साहित रहते थे। हर कोई नए कपड़े, जूते और दूसरे सामान खरीदने में बिजी रहता था। लेकिन पापा का अंदाज बाकी सभी से बिल्कुल अलग होता था।

करिश्मा ने आगे कहा, ''जब मैं पापा से पूछती थी कि आपने शॉपिंग में क्या खरीदा है, तो वह बड़े गर्व से बताते थे कि मैंने दो जोड़ी मोजे खरीदे हैं। कई बार मैं पापा को दोबारा शॉपिंग करने के लिए भेजती थी, ताकि वह अपने लिए कुछ और सामान खरीद सकें। लेकिन जब वह वापस आते थे तो उनके पास सिर्फ दो जोड़ी मोजे और दो रूमाल होते थे।'' इस पर सफाई देते हुए रणधीर कपूर ने कहा, ''एक आदमी को आखिर और क्या चाहिए? कुछ जोड़ी मोजे, कुछ रूमाल, कुछ टाई, दो-चार शर्ट और एक-दो पैंट काफी हैं।''

कुछ ही दिन में नौकरी से निकाली गई थीं सोनम कपूर, आगे चलकर बनीं बॉलीवुड की फैशन क्वीन

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में अक्सर स्टार किड्स की जिंदगी को बेहद आसान माना जाता है, लेकिन कई बार चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिनसे लोग अनजान होते हैं। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर आज भले ही देश की सबसे चर्चित अभिनेत्रियों और फैशन आइकन में गिनी जाती हों, लेकिन उनकी जिंदगी में भी ऐसे दौर आए जब उन्हें छोटी-सी नौकरी करनी पड़ी और वह भी ज्यादा दिनों तक नहीं चल सकी। सोनम कपूर का जन्म 9 जून 1985 को मुंबई के चेंबूर में हुआ था। वह अभिनेता अनिल कपूर और पूर्व मॉडल सुनीता कपूर की बड़ी बेटी हैं। फिल्मी परिवार में जन्म लेने के बावजूद सोनम का सपना शुरू से अभिनेत्री बनने का नहीं था। उन्हें लेखन और निर्देशन में ज्यादा रुचि थी। अपनी पढ़ाई के दौरान वह सिंगापुर भी गईं। इसी दौरान उन्होंने अपने खर्चों और पॉकेट मनी के लिए एक रेस्टोरेंट में वेट्रेस की नौकरी की। हालांकि यह नौकरी ज्यादा समय तक नहीं चल सकी और कुछ ही दिनों बाद उन्हें वहां से हटा दिया गया। सोनम ने खुद कई इंटरव्यू में इस अनुभव का जिक्र किया है। फिल्मों में आने से पहले सोनम का वजन काफी ज्यादा था। एक समय उनका वजन लगभग 90 किलो तक पहुंच गया था। उन्हें पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम और हार्मोनल समस्याओं का भी सामना करना पड़ा। लेकिन उनकी जिंदगी में बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्होंने निर्देशक संजय लीला भंसाली के साथ फिल्म 'ब्लैक' में असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया। भंसाली ने ही उन्हें अभिनय में आने के लिए प्रेरित किया और वजन कम करने की सलाह दी। सोनम ने कड़ी मेहनत से लगभग 35 किलो वजन कम किया और अभिनय की तैयारी शुरू की।

साल 2007 में सोनम कपूर ने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म से रणबीर कपूर ने भी अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही, लेकिन सोनम को नई पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'दिल्ली-6', 'आई हेट लव स्टोरीज', 'आयशा', 'मौसम' और 'प्लेयर्स' जैसी फिल्मों में काम किया। शुरुआती सालों में उन्हें कई असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने प्रयास जारी रखे।सोनम के करियर में साल 2013 शानदार रहा। इस साल फिल्म 'रांझणा' रिलीज हुई। इस फिल्म में उनके अभिनय को खूब सराहा गया। इसके बाद 'भाग मिल्खा भाग', 'खूबसूरत', 'प्रेम रतन धन पायो', 'पैडमैन', 'वीरे दी वेडिंग' और 'संजू' जैसी सफल फिल्मों ने उनके करियर को नई ऊंचाई दी। हालांकि, उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में 'नीरजा' को प्रमुख माना जाता है। एयर होस्टेस नीरजा भनोट के जीवन पर आधारित इस फिल्म में उनके अभिनय की दर्शकों और समीक्षकों ने जमकर प्रशंसा की।

'नीरजा' के लिए सोनम कपूर को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में स्पेशल मेंशन सम्मान मिला। इसके अलावा, उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड भी दिया गया। यह फिल्म उनके करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जाती है। अभिनय के अलावा, सोनम ने फैशन की दुनिया में भी अपनी अलग पहचान बनाई और उन्हें बॉलीवुड की 'फैशनिस्टा' के रूप में भी जाना जाता है। साल 2018 में सोनम कपूर ने उद्योगपति आनंद आहूजा से शादी की। शादी के बाद उन्होंने फिल्मों से थोड़ी दूरी बनाई और परिवार को समय देना शुरू किया। साल 2022 में वह बेटे वायु की मां बनीं। वह सोशल मीडिया के माध्यम से अपने फैंस से लगातार जुड़ी रहती हैं।

छोटे पर्दे की 'शोमैन' एकता कपूरः टैलेंट पहचानने से ट्रेंड बनाने तक, तीन दशक से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री पर राज

नई दिल्ली/एजेन्सी

भारतीय टेलीविजन की बात हो और एकता कपूर का नाम न आए, ऐसा शायद ही कभी हो। पिछले तीन दशकों में अगर किसी एक शख्स ने छोटे पर्दे की दुनिया को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है, तो वह हैं एकता कपूर। उन्हें यूं ही 'कंटेंट क्वीन' नहीं कहा जाता। उन्होंने सिर्फ टीवी शो नहीं बनाए, बल्कि ऐसे किरदार, कहानियां और ट्रेंड्स गढ़े जो लोगों की जिंदगी और बातचीत का हिस्सा बन गए। 7 जून 1975 को जन्मीं एकता कपूर ने उस दौर में टेलीविजन की दुनिया में कदम रखा, जब मनोरंजन के विकल्प बेहद सीमित थे लेकिन उन्होंने भारतीय दर्शकों की नब्ज को जिस तरह समझा, उसने उन्हें बाकी निर्माताओं से अलग खड़ा कर दिया।

उनकी कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स ने भारतीय टेलीविजन को ऐसे शो दिए, जिन्होंने टीआरपी के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और घर-घर में अपनी पहचान बनाई। एकता कपूर के धारावाहिकों के किरदार इतने लोकप्रिय हुए कि लोग उन्हें अपने परिवार का हिस्सा मानने लगे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण था 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिहिर विरानी की मौत। यह सिर्फ एक कहानी का मोड़ नहीं था, बल्कि एक राष्ट्रीय घटना बन गई थी। दर्शकों ने विरोध किया, भावुक हुए और आखिरकार शो के निर्माताओं को मिहिर को वापस लाना पड़ा। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया।

इसी तरह 'कसौटी जिंदगी की' की कोमोलिका को कौन भूल सकता है? उर्वशी ढोलकिया का यह किरदार सिर्फ एक खलनायिका का नहीं था, बल्कि एक पॉप कल्चर आइकॉन बन गया। उनकी स्टाइलिश बिंदी, ड्रामैटिक एंट्री और बैकग्राउंड म्यूजिक ने ऐसा असर छोड़ा कि आज भी कोमोलिका का नाम लेते ही वह छवि आंखों के सामने आ जाती है।एकता कपूर ने सिर्फ ड्रामा नहीं रचा, बल्कि ट्रेंड भी बनाए। 'कुटुंब' और 'कहीं तो होगा' जैसे शोज ने रोमांस को नए अंदाज में पेश किया। ऑफिस रोमांस की कहानियों ने युवाओं के बीच एक नया क्रेज पैदा किया। वहीं 'नागिन' के जरिए उन्होंने सुपरनेचुरल फिक्शन को मुख्यधारा में ला खड़ा किया। मौनी रॉय का इच्छाधारी नागिन वाला किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि यह शो भारतीय टेलीविजन की सबसे सफल फ्रेंचाइजी में शामिल हो गया।

एकता कपूर की सफलता सिर्फ उनके शोज तक सीमित नहीं है। उन्हें इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन 'टैलेंट स्पॉटर' भी माना जाता है। उन्होंने कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया, जो आगे चलकर बड़े सितारे बने। विद्या बालन को शुरुआती पहचान 'हम पांच' से मिली। आज वही विद्या भारतीय सिनेमा की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं।

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भी घर-घर तक पहुंचाने का श्रेय काफी हद तक एकता कपूर को जाता है। 'पवित्र रिश्ता' के मानव के रूप में उन्होंने करोड़ों दर्शकों का दिल जीता और यहीं से उनके फिल्मी करियर की मजबूत नींव पड़ी। इसी तरह मौनी रॉय, प्राची देसाई, अनीता हसनंदानी, राधिका मदान और कई अन्य कलाकारों को भी एकता कपूर के मंच से पहचान मिली। यही वजह है कि इंडस्ट्री में उन्हें सिर्फ निर्माता नहीं, बल्कि 'स्टारमेकर' भी कहा जाता है।

एकता कपूर की एक और खासियत यह रही कि उन्होंने समय के साथ खुद को लगातार बदला। जब टीवी का दौर चरम पर था, तब उन्होंने छोटे पर्दे पर राज किया और जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का दौर आया तो उन्होंने वेब कंटेंट की दुनिया में भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। वह दर्शकों की बदलते पसंद को समझती रही और उसी के अनुसार कंटेंट तैयार करती रही। उनकी मेहनत और योगदान को देश-दुनिया में कई बड़े सम्मान मिले हैं। पद्म श्री के साथ ही एकता कपूर को बिजनेस, मीडिया और मनोरंजन जगत के कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

पुरुष वर्ग में मां क्रिएशंस टीम और महिला वर्ग में सूरज स्ट्राइकर्स टीम बनी विजेता

ब्यावर संघ युवा शाखा 'रेदासनी बॉक्स क्रिकेट कप' प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ब्यावर संघ के तत्वावधान में युवा शाखा द्वारा आयोजित रेदासनी बॉक्स क्रिकेट कप के लिए 12 पुरुषों की और 4 महिला टीमों के 168 खिलाड़ियों के बीच मुकाबला हुआ जिसमें पुरुष वर्ग में मां क्रिएशंस टीम ने और महिला वर्ग में सूरज स्ट्राइकर्स टीम ने बाजी मारी। प्रतियोगिता के प्रारंभ में ब्यावर संघ के अध्यक्ष ललित डाकलिया और युवा शाखा के अध्यक्ष कुलदीप छाजेड़ ने सभी खिलाड़ियों और प्रायोजकों का स्वागत किया। इस मौके पर संघ के महामंत्री रूपचंद कुमट, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, सहमंत्री विनय राठौड़, संगठन मंत्री किशन सोलीवाल, युवा शाखा कोर कमेटी के उपाध्यक्ष विकास खटोड़, नरेश बोहरा, महामंत्री चेतन रेदासनी, कोषाध्यक्ष हेमंत गुलेच्छा, सहमंत्री भरत कोठारी, सहकोषाध्यक्ष कुणाल मरलेचा, खेल समिति के यशवंत रांका, रोशन लोढ़ा, नितेश संचेती, लोकेश तातेड़ और महिला विंग के चंद्रकला डाकलिया, कंचन छाजेड़, सीमा बोहरा ने दीप प्रज्वलन कर औपचारिक शुरुआत की। ङ्खखेल के माध्यम से संघ के सदस्यों के बीच परस्पर सौहार्द और समन्वय की भावना को प्रोत्साहित करते हुए 'बीएसपीएल सीजन-4' के आयोजन को जीतो, जैन कॉन्फ्रेन्स आदि संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सराहा।

लाभार्थी परिवार ने विजेता टीम सहित उपविजेता पुरुष टीम संचेती वारियर्स और महिला टीम दिनेश एसोसिएट्स टीम के खिलाडियों को ट्राफी प्रदान की। पूरी प्रतियोगिता के मुख्य खिलाड़ी का खिताब पुरुष वर्ग में नमन जैन और महिला वर्ग में दिया गुलेच्छा को दिया गया। मुख्य पुरुष बैटसमैन अभिषेक लोढ़ा, महिला बैटसमैन दिया गुलेच्छा के साथ मुख्य पुरुष बॉलर नमन जैन और महिला बॉलर प्रगति जैन थे।

मैचों को देखने ब्यावर संघ, युवा शाखा, लेडीज विंग के सदस्यों के साथ अनेक खिलाड़ी उपस्थित थे।

विफा के पोंडा गोवा चैप्टर के अध्यक्ष बने भवानी शंकर और भरत सिंह बने महामंत्री पोंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोवा। विप्र फाउंडेशन जोन-12 -, पोंडा गोवा चैप्टर की साधारण सभा रखी गई। बैठक का संचालन करते हुए गणेश शर्मा ने जोन अध्यक्ष गोपी किशन जोशी, रीजनल महामंत्री (दक्षिण) भगवान व्यास एवं भवानी शंकर पुरोहित को भगवान परशुराम की पूजा के लिए आमंत्रित किया। पूजा के पश्चात भगवान व्यास एवं गोपीकृष्ण जोशी का सम्मान किया गया। जोन अध्यक्ष ने अपने स्वागत भाषण में सभी को एकजुट हो कर विप्र फाउंडेशन को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा विप्र बंधुओं को संगठन में जोड़ें। क्षेत्रीय महामंत्री ने विप्र फाउंडेशन की स्थापना से लेकर अभी तक के किए गए राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी।उन्होंने विप्र फाउंडेशन की नीतियों, उद्देश्यों और संगठन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने भविष्य में विप्र फाउंडेशन की गतिविधियों को कैसे आगे बढ़ाना है, इस संबंध में सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होंने अपने संबोधन में सदस्यता से संबंधित विस्तृत जानकरी देते हुए कहा कि पोंडा, गोवा में जितने भी ब्राह्मण बंधु हैं उन सभी को संगठन का सदस्य बना कर सूची भेजें तत्पश्चात जोन प्रेसिडेंट गोपीकृष्ण जोशी ने वर्ष 2026से 2028 के मनोनीत पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जिसमें अध्यक्ष भवानी शंकर पुरोहित, उपाध्यक्ष बीरेन्द्र कुमार तिवारी, उपाध्यक्ष प्रेमचंद शर्मा, महामंत्री भारत सिंह राजपुरोहित एवं उपमंत्री मुकेश शर्मा , उपमंत्री जोगेंद्र शर्मा, कोषाध्यक्ष हरिओम शर्मा, उप कोषाध्यक्ष सुरेश शर्मा को बनाया गया। कार्यकारणी समिति में पवन शर्मा, विजेंद्र कौशिक, अभिषेक मिश्रा, सुरेश शर्मा (धर्मा), आमसिंह राजपुरोहित , मंगला प्रसाद, भगड़ा राम राजपुरोहित और राकेश शर्मा के नामों की घोषणा की गई जिसका सभा में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।बैठक में नवगठित कार्यकारिणी समिति का सम्मान रीजनल महामंत्री भगवान व्यास एवं जोन प्रेसिडेंट गोपीकृष्ण जोशी ने किया। बैठक में समाज के अनेक अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। धन्यवाद प्रस्ताव और राष्ट्रीय गान के पश्चात बैठक सम्पन्न हुई।

नाथों के नाथ दीनानाथ, भगवान जगन्नाथ : युगलशरण महाराज

माहेश्वरी भवन में जगन्नाथ कथा का हुआ समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय माहेश्वरी महिला संगठन के तत्वावधान में ओकलीपुरम स्थित माहेश्वरी भवन में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर गतिमान पांच दिवसीय भगवान श्री जगन्नाथ कथा का मंगलवार को विश्राम हुआ। विश्राम दिवस पर कथावाचक गौडिया वैष्णवाचार्य युगलशरणजी महाराज की निश्रा में प्रातः हवन हुआ। कथा वाचक युगलशरण जी महाराज ने बताया कि नाथों के नाथ दीनानाथ हैं भगवान जगन्नाथ। जिसका कोई नहीं होता उसके होते हैं भगवान जगन्नाथ। उन्होंने बताया कि आप जब रसोई में भोजन बनाते हैं तब स्वयं लक्ष्मी रसोई में निवास करती है। भोजन को भगवान का प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए। प्रसाद का एक कण भी नीचे गिरना नहीं चाहिए। प्रसाद का कभी अनादर नहीं करना चाहिए।

उन्होंने चैतन्य महाप्रभु की कथा सुनाते हुए कहा कि चैतन्य महाप्रभु ने कभी कोई ग्रन्थ नहीं लिखा, उन्होंने अपने जीवन में मात्र आठ श्लोक लिखे और उन्हीं का आचरण करते हुए जीवन जिया। उन्होंने कहा कि गुरु चरणों पर हमेशा विश्वास करना चाहिए। हर एक मनुष्य के जीवन में गुरु का होना बहुत जरूरी है। गुरु के बिना ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती। गुरु हमेशा जीवन में सर्वोपरि है। गुरु में सच्ची निष्ठा होनी चाहिए। राजा कुलशेखर ने भगवान जगन्नाथ को ही अपना गुरु माना था। ङ्खविश्राम दिवस पर बिमला चांडक ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष विजयलक्ष्मी सारड़ा, सचिव शोभा भूतड़ा के साथ संगठन की अन्य सदस्याओं ने महाराज युगलशरण जी का सम्मान किया। शैलू सारड़ा ने धन्यवाद दिया। माहेश्वरी सभा व युवा संघ के प्रतिनिधियों ने व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के साथ भगवान जगन्नाथ की कथा का विश्राम हुआ।

जैन भक्ति साहित्य व गीतों के लिए समर्पित थे प्रताप टोलिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जाने माने जैन स्कॉलर प्रो प्रताप कुमार टोलिया का 95 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनका जन्म गुजरात के अमरेली में हुआ था। उनकी बाल्यकाल से जैन भक्ति में अभिरुचि थी। वे जैन संत श्री रायचंद जी से बहुत प्रभावित थे। मुंबई उनकी कर्मभूमि थी। उन्होंने वर्ष 1973 में जैन स्तुति 'श्री भक्तामर स्तोत्र' की एलपीजी रिकार्ड, एचएमवी द्वारा प्रस्तुति दी थी। स्व. प्रताप कुमार जी ने अपनी धर्मपत्नी के सहयोग से जैन अध्यात्म योगी श्रीमद रायचंद जी और जैन कवि विनय चंद जी के पद्य पर आधारित 60 से अधिक आडियो कैसेट निकाले। वर्ष 2001 में उन्होंने संतश्री रायचंद जी के आत्मसिद्धि पदों को 7 भाषाओं में प्रकाशित किया।

वे एक कुशल गायक के साथ साथ उच्च कोटि के साधक भी थे। उन्होंने वर्धमान भारती इंटरनेशनल फाउंडेशन की स्थापना की तथा देश विदेशों में अनेक जैन भक्ति के कार्यक्रम आयोजित किए। कर्नाटक के हंपी स्थित श्रीमद रामचंद्र आश्रम द्वारा उन्हें अध्यात्म योगी पद से तथा जैन योग ध्यान साधना केंद्र बेंगलूरु द्वारा सेवा शिरोमणि पद से सम्मानित किया गया। प्रो प्रतापजी की एक पुत्री डाक्टर व अन्य दो पुत्रियां अमेरिका में कार्यरत हैं। उन्हें जीवन पर्यन्त भारतीय संस्कृति और संगीत के प्रति गर्व रहा। वे 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के परम हितैषी थे।

टीसीएस में कर्मचारियों की संख्या के बराबर एआई एजेंट होंगे : एन चंद्रशेखरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि वह दिन दूर नहीं जब टीसीएस के पास कर्मचारियों की संख्या के बराबर कृत्रिम मेधा (एआई) एजेंट होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी की अपने कर्मचारियों की संख्या कम करने की कोई योजना नहीं है। चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कंपनी की 31वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए कहा कि टीसीएस आंतरिक परिचालन, समाधान रूपरेखा और ग्राहक के हिसाब से काम के लिए एआई एजेंट बनाने में निवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि टीसीएस लोगों को नौकरी पर रखना जारी रखेगी। एक बार बदलाव हो जाने के बाद, एआई की दुनिया बहुत अधिक मौके' पैदा करेगी जिनके लिए नई प्रतिभा की जरूरत होगी।

चंद्रशेखरन ने कहा, कंपनी में पांच लाख कर्मचारी हैं। वह दिन दूर नहीं जब कंपनी के पास पांच लाख एआई एजेंट होंगे। उन्होंने कहा, कर्मचारियों की संख्या कम नहीं की जा रही है। ऐसी कोई योजना नहीं है। हम बस सही प्रतिभा चाहते हैं। हम एजेंट का इस्तेमाल करना चाहते हैं। और हमें बेहतरीन प्रतिभा को आकर्षित करने की जरूरत है...। कर्मचारियों को जोड़ने की रफ्तार वैसी नहीं रहेगी जैसी पहले हुआ करती थी। अगर कंपनी के मानव संसाधन विभाग के पास बड़ी संख्या में प्रतिभा को नियुक्त करने की क्षमता का कोई पैमाना था, तो वह पैमाना खत्म हो जाएगा।

चेयरमैन ने कहा कि कंपनी के कर्मचारी और एआई एजेंट मिलकर काम करेंगे और यही भविष्य होगा। उन्होंने एआई को टीसीएस के लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका बताते हुए इस प्रौद्योगिकी के वित्तीय पैमाने का उल्लेख किया। चंद्रशेखरन ने कहा कि कि पिछली तिमाही में सालाना आधार पर कंपनी का एआई राजस्व 2.5 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया। वर्ष 2028 से 2030 तक, कंपनी के राजस्व में 100 प्रतिशत हिस्सा एआई से जुड़े होने का अनुमान है। टीसीएस में कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2025-26 में 23,460 घटकर 5.84 लाख रह गई है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरू प्रवास पर आए केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का मैसूर जैन समाज की ओर से सम्मान किया गया। जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान ने ट्रस्ट द्वारा संचालित अस्पतालों एवं विभिन्न सेवा परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी तथा ट्रस्ट द्वारा निर्मित नए अस्पताल के उद्घाटन समारोह में पधारने हेतु निवेदन किया। शेखावत ने जुलाई माह में मैसूरू आने का आश्वासन दिया। इस सौहार्दपूर्ण भेंट में समाज सेवा, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ सदस्य कांतिलाल जैन, सुरेंद्र गांधी मेहता, गौतम सालेचा एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

समर्थकों पर आधा खाया हुआ सेब फेंकने के लिए भाजपा ने शिवकुमार की आलोचना की

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कहा कि बेंगलूरु दक्षिण जिले के कनकपुरा में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के शिवकुमार का अपने समर्थकों पर आधा खाया हुआ सेब फेंकना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। सूत्रों के अनुसार, रविवार को शिवकुमार के गृह नगर कनकपुरा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके लिए एक भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया था, जिसमें उन्हें सेबों की एक विशाल माला भेंट की गई थी। इस माला को क्रेन की मदद से उठाया गया था। उन्होंने बताया कि सम्मान समारोह के बाद शिवकुमार ने दो सेबों को दांत से काटा और एक-एक करके उन्हें पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर फेंका और कार्यक्रम स्थल से चले गए।

दहेज लेना और देना दोनों ही अपराध : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्रीरामपुरम स्थित जैन स्थानक में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि जहां पर स्वार्थ और लालच का विचारों में संचार हो जाता है वहां पर खून के रिश्तों में भी कड़वाहट घुल जाती है और सज्जन भी शैतान बन जाता है। आज दहेज रूपी रावण के लिए महिलाओं को मानसिक यातना के साथ-साथ जिंदा जलाना, मौत के घाट उतारना, तलाक देना, छोड़ देना, आम बात हो गई है यह अक्षम्य अपराध है। माता-पिता अपने कलेजे के टुकड़े को आपके परिवार की सुख, समृद्धि, शांति और वृद्धि के लिए निस्वार्थ भाव से समर्पित करते हैं, वह दुल्हन ही भगवान का सबसे महान प्रसाद है, दुल्हन ही सबसे बड़ा दहेज है। दहेज के भूखे भेड़िए धर्म और मानवता के नाम पर कलंक हैं। उनके द्वारा किया गया दान, तपस्या, आराधना मात्र पाखंड है। संतश्री ने कहा कि दहेज लेना और देना दोनों ही अपराध है।ङ्खङ्ख जैन संत ने कहा कि दहेज के भिखारी शादी के मंडप में ही लड़की को छोड़ कर चले जाते हैं, खुशियों में कोहराम मच जाता है। ऐसे दहेज लोभियों का सामाजिक बहिष्कार होना चाहिए, मात्र कानून से यह समस्या हल नहीं होगी। धर्मगुरु वैचारिक क्रांति से दिल और दिमाग बदलने का काम करें तभी स्थाई समाधान होगा। अंत में कहा कि भिखारी बनकर मांगना शर्मनाक है। दहेज मांगना मां लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा का साक्षात अपमान है। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम के तत्वावधान में महिला मंडल और बहू मंडल की ओर से 35 वीरांगनाओं का सम्मान किया गया।

खुशमिजाज, सेवाभावी एवं जिन्दादिल इंसान थे नंदकिशोर मालू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रम, बुद्धि और धन के समर्पण में अग्रणी स्थान रखने वाले नन्दकिशोरजी मालू ने 7 जून को सुबह 5 बजे बेंगलूरु स्थित अपने निवास पर अंतिम सांस ली थी। नंदकिशोर मालू दोस्तों के दोस्त, उम्र में छोटों के लिए मार्गदर्शक, समाज के लोगों की लिए सहयोगी, समाजसेवी, कर्मचारियों के लिए अच्छे बॉस, परिवारजनों के लिए अच्छे साथी और नेक इंसान थे। 81 वर्षीय स्व. मालू एक जिन्दादिल व्यक्ति थे जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। सादा जीवन, उच्च विचारों के धनी नन्दकिशोर मालू व्यवसायिक क्षेत्र के साथ साथ सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र में सदैव सक्रिय और सफल रहे। उनका मानना था कि समाज के सम्पन्न व्यक्ति की सम्पन्नता का लाभ समाज के जरूरतमंद व असम्पन्न व्यक्ति को मिलना चाहिए। वे मानते थे कि किसी भी कार्य अथवा पेशे में लगन व मेहनत की सीढ़ियां सकारात्मक सोच के साथ चढ़ी जाएं, साथ ही कुछ कर गुजरने का जज्बा हो तो मुश्किल राहें भी आसान बन जाती हैं। मालूजी जब भी किसी से मिलते थे तो पूरी गर्मजोशी व आत्मीयता से मिलते थे, परिणामस्वरूप सामने वाला व्यक्ति उनके व्यक्तित्व का कायल हो जाता था।

वे हमेशा दूसरों को प्रोत्साहित ही करते थे। जो भी कोई उनके पास किसी आस से गया वह कभी भी खाली हाथ वापस नहीं लौटा। उदार दिल व खुले हस्त से दान व सहयोग देने के हिमायती थे स्व. मालू। वर्तमान में मालू माहेश्वरी सभा सहित अनेक ट्रस्टों, स्वयंसेवी संस्थाओं से भी जुड़े थे जिनके माध्यम से लाखों नहीं करोड़ों रुपए के योगदान को समाज के गरीब तबके के परिवारों को चिकित्सकीय लाभ, युवाओं को न्यूनतम दर पर ऋण व उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले होनहारों के लिए बगैर ब्याज ऋण उपलब्ध कराते रहे। लगभग 150 वर्षों पूर्व मालूजी के पूर्वज राजस्थान के नागौर जिले के मुण्डा से कर्नाटक

प्रांत के गुलबर्गा में आकर बसे और इलेक्ट्रिक और हार्डवेयर कार्य किया। स्व. नन्दकिशोर मालू ने गुलबर्गा में इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया।

अध्ययन के बाद नौकरी करने के बाद वर्ष 1969 में स्वयं की सीमेन्ट पाइप फैक्टरी स्थापित की। तब से उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जन्म भूमि गुलबर्गा में स्व. नंदकिशोर मालू के पिता के नाम से कन्हैयालाल मालू साइंस कॉलेज, कन्हैयालाल बंकटलाल मालू चेरिटेबल क्लिनिक (दवा खाना) व कांचीपुरम में माता-पिता के नाम से श्रीमती शिवप्यारी कन्हैयालाल मालू धर्मशाला का निःशुल्क संचालन हो रहा है। वर्ष 1988 में नंदकिशोर मालू बेंगलूरु में माहेश्वरी सभा के कोषाध्यक्ष बने थे और समाज के लोगों में समन्वय कायम करते हुए जागरूकता व सामूहिक सहयोग से पहला माहेश्वरी भवन बनवाया। वर्ष 1991 से 96 तक सभा का उन्होंने अध्यक्षीय दायित्व का निवर्हन भी किया। वर्ष 2001 से 2005 तक कर्नाटक गोवा प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष रहते हुए 'समाज आपके द्वार' कार्यक्रम चलाकर तहसील जिला स्तर की इकाइयों का गठन किया एवं घर घर को सभा से जोड़ा। माहेश्वरी समाज में अग्रिम पंक्ति के भामाशाह व्यक्तित्व के रूप में पहचान बना चुके स्व. नंदकिशोर मालू बेंगलूरु में संचालित माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के संस्थापक अध्यक्ष भी थे। उनकी धर्मपत्नी सावित्रीदेवी मालू भी धर्मालु गृहिणी महिला होने के साथ साथ सामाजिक क्षेत्र में अग्रणी रहकर उनका कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करती रहीं। मालू के तीन पुत्र नवलकिशोर, कमलकिशोर एवं विमलकिशोर भी उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए सामाजिक व व्यवसायिक विरासत को ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। बेंगलूरु के गांधीनगर स्थित कॉरपोरेट ऑफिस से मालू वायर्स, मालू स्लीपर्स, मालू प्लांटेशन का कार्य सम्पादित होता है। स्व. मालू का जीवन एक कर्मयोगी का जीवन था।

नंदकिशोरजी मालू 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' परिवार के परम हितैषी थे और दक्षिण भारत राष्ट्रमत के संस्थापक श्रीकांत पाराशर के तीन दशक से अधिक समय से आदरणीय एवं आत्मीय रहे। मंगलवार को शाम 4 बजे ओकलीपुरम माहेश्वरी भवन में उनकी स्मृति में उठावणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें माहेश्वरी, अग्रवाल, जैन, ब्राह्मण व अन्य समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर स्व. मालू के गुणों को याद कर श्रद्धांजलि दी। नंदकिशोर मालू अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गए हैं।

बेंगलूरु में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु के कुछ हिस्सों में कथित रूप से प्रतिबंधित मादक पदार्थों की बिक्री के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इनकी गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने 14.94 लाख रुपये बाजार मूल्य का मादक पदार्थ और एक कार जब्त करने का दावा किया है। उन्होंने बताया कि मुखबिरों के माध्यम से यह जानकारी मिली थी कि मराथहल्ली, बोम्मनहल्ली, पुलकेशिनगर और भारतीनगर पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में गांजा, एमडीएमए, मेथामफेटामीन और कोडीन कफ सिरप जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थ बेचे जा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, इस सूचना के आधार पर, स्वापक औषधि एवं मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामले दर्ज किए गए और मुखबिरों द्वारा बताए गए स्थानों पर छापेमारी की गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन अभियानों के दौरान अलग-अलग तारीखों पर कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें अन्य राज्यों के तीन व्यक्ति और एक स्थानीय निवासी शामिल हैं। उन्होंने कहा, पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कथित तौर पर कबूल किया कि त्वरित लाभ कमाने के इरादे से, वे राज्य के बाहर और स्थानीय दोनों जगहों के अज्ञात आपूर्तिकर्ताओं से गांजा, एमडीएमए, मेथामफेटामीन और कोडीन कफ सिरप जैसे प्रतिबंधित मादक पदार्थों को कम कीमतों पर खरीद रहे थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**